RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

# बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः276, गुरुवार, 16 अक्टूबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

विश्व हाथ धुलाई दिवस पर बच्चों ने सीखी स्वच्छता की अहमियत 03

संजय-विजय और ललन सिंह ने जदयू को बर्बाद कर दिया : तेजस्वी 04

सुधीर बाबू के स्वैग और श्रेया शर्मा के जलवों से सजा गीत पल्लो लटके हुआ रिलीज 07

## आतंकवादी पाताल में भी छुपे हों, ढूंढ़ निकालेंगे

### हरियाणा में जवानों के बीच खूब गरजे अमित शाह

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हरियाणा के मानेसर में मंगलवार को एक कार्यक्रम के दौरान सेना की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकवादी समूहों के मुख्यालयों, प्रशिक्षण केंद्रों और लॉन्च पैड्स को तबाह कर दिया गया। शाह ने कहा,आतंकवादी कहीं पर भी छिपे हों, उन्हें छिपाने के लिए कितनी भी मजबूत व्यवस्था की गई हो मगर हमारे जवानों ने यह तय कर दिया है कि आपको दुनिया में कहीं भी छिपने की जगह नहीं मिल सकती। भारत की सुरक्षा एजेंसियां आपको पाताल से भी ढूंढ़कर आतंकवादी कृत्य के लिए दंड देने को तैयार हैं। अमित शाह ने ऑपरेशन महादेव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, जिन आतंकवादियों ने हमला किया था उन्हें सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन महादेव के जरिए समाप्त कर दिया है।

## तालिबान ने पाकिस्तानी टैंक और चेकपोस्ट पर कर लिया कब्जा

### बौखलाई मुनीर सेना,फाइटर जेट से बमबारी,8 सैनिकों को मारा

**इस्लामाबाद/काबुल (एजेंसी)।** अफगानिस्तान की तालिबान सेना के ताबड़तोड़ हमलों के बाद पाकिस्तान के जनरल बौखला गए हैं। जमीनी युद्ध में हारने के बाद अब पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ फाइटर जेट का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। पाकिस्तानी वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने बुधवार को अफगानिस्तान के स्पिन बोल्डक इलाके में हवाई हमला किया है। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, ये हवाई हमले चमन सीमा के पार किए गए, जहां कम से कम तीन अफगान तालिबान चौकियों को निशाना बनाया गया। स्थानीय सूत्रों ड्रोन और हवाई हमलों की जानकारी दी है। हमले में कई लोगों की मौत की खबर सामने आ रही है। इस बीच बुधवार सुबह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने पाकिस्तानी सेना पर बड़ा हमला करके 8 पाकिस्तानी सैनिकों को मार दिया है। ओरकजई के घिलजो इलाके में महमूदजई चौकी पर हुए हमले में फ्रंटियर कोर के 8 जवान मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट बताती हैं कि कुछ फ्रंटियर कोर के जवान अभी भी लापता हैं। मंगलवार रात से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव है।

## तमिलनाडु में हिंदी पर बैन लगाने की तैयारी

### डीएमके सरकार ला रही है विधानसभा में बिल

**चेन्नई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र में हिंदी-मराठी झगड़े के शांत होने के बाद दक्षिणी राज्य तमिलनाडु में भाषा विवाद खड़ा होता दिखाई दे रहा है। तमिलनाडु में डीएमके सरकार ने हिंदी होर्डिंग्स, फिल्मों और गानों पर पाबंदी लगाने के लिए विधानसभा में बिल पेश करने की तैयारी की है। सूत्रों के हवाले जानकारी सामने आई है कि तमिलनाडु विधानसभा में एक ऐसे ही प्रावधान वाला बिल स्टालिन सरकार रखेगी। बीजेपी ने डीएमके सरकार के इस कदम को बेतुका और भ्रमित करने वाला बताया है। सूत्रों ने बताया कि तमिलनाडु सरकार आज विधानसभा में एक विधेयक पेश करने वाली है, जिसका उद्देश्य राज्य में हिंदी को लागू करने पर प्रतिबंध लगाना है। प्रस्तावित कानून पर चर्चा के लिए कल रात कानूनी विशेषज्ञों के साथ एक आपात बैठक हुई थी। मुख्यमंत्री डीएमके की अगुवाई वाली सरकार ने इस संबंध में अभी कुछ भी नहीं कहा है।

● भारत-अमेरिका तनाव के बीच वित्तमंत्री का बड़ा फैसला

## आईएमएफ की बैठक से किनारा करेंगी निर्मला सीतारमण

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इस सप्ताह वॉशिंगटन में होने वाली अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों में शामिल नहीं होंगी। सूत्रों के अनुसार, यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और रूस से तेल खरीद को लेकर तनातनी जारी है। इस उच्चस्तरीय बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व अब वित्त मंत्रालय की आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर करेंगी। उनके साथ भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा और मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंथा नागेश्वरन भी शामिल होंगे। सीतारमण की अनुपस्थिति उस पृष्ठभूमि में खास मानी जा रही है जब ट्रंप प्रशासन ने भारतीय वस्तुओं पर 50 फीसदी तक का शुल्क लगा दिया है, जिसमें रूस से तेल खरीद को लेकर 25 फीसदी का अतिरिक्त जुर्माना भी शामिल है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल इस दौरान ब्रिक्स, जी-20 और जी-24 समूह की बैठकों में हिस्सा लेगा। ये सभी मंच वैश्विक अर्थव्यवस्था और विकासशील देशों की वित्तीय स्थिरता पर केंद्रित हैं।

## बड़े समझौते पर हो गए हैं साइन, बौखलाएगा 'ड्रैगन'

● चीन के पड़ोसी देश की सेना को ट्रेन्ड करेगा भारत, पीएम ने बताया ऐतिहासिक

### कहा- हमारे संबंध केवल कूटनीतिक नहीं,बल्कि आध्यात्मिक और आत्मीय बंधन हैं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत और मंगोलिया के बीच रक्षा सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला एक ऐतिहासिक समझौता मंगलवार को साइन हो गया। इस समझौते के तहत भारत मंगोलिया की सेना को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिसमें आधुनिक युद्ध रणनीतियां, संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों के लिए तैयारी और साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं।

यह कदम न केवल दोनों देशों के बीच सैन्य साझेदारी को मजबूत करेगा, बल्कि चीन जैसे क्षेत्रीय शक्तियों को भी रणनीतिक संदेश देगा। ऐसा माना जा रहा है कि यह समझौता 'नोमैडिक एलीफेंट' नामक द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास के 18वें संस्करण के बाद विकसित हुआ है, जो जून 2025 में मंगोलिया की राजधानी उलानबातर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को मंगोलिया के राष्ट्रपति हुरेलसुख उखना के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में भारत-मंगोलिया संबंधों को नई दिशा देने वाली कई अहम घोषणाएं कीं। इस दौरान उन्होंने मंगोलिया की सीमा सुरक्षा बलों के लिए एक नया क्षमता-विकास कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की।

### मंगोलिया के विकास में भारत भरोसेमंद साझेदार

पीएम मोदी और मंगोलिया के राष्ट्रपति हुरेलसुख उखना ने मंगलवार को विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। बातचीत के दौरान मंगोलिया से भारत को यूरेनियम की संभावित आपूर्ति और द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को बढ़ावा देने के कदमों पर चर्चा की गई। मोदी और उखना की बातचीत के बाद दोनों देशों ने डिजिटल समाधान, खनिज संसाधनों की खोज और त्वरित प्रभाव परियोजनाओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग के लिए 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। दोनों नेताओं की बातचीत के प्रमुख विषयों में मंगोलिया में भारत की सहायता से 1.7 अरब अमेरिकी डॉलर की तेल रिफाइनरी परियोजना तथा दोनों देशों के बीच समग्र ऊर्जा संबंधों को बढ़ाने के तरीके शामिल थे। उखना चार दिवसीय भारत यात्रा पर सोमवार को नई दिल्ली पहुंचे थे।

## वोट के लिए फ्री वाइफ तक बांट देंगे सीएम स्टालिन

● एआईएडीएमके सांसद के बिगड़े बोल, दिया विवादित बयान

**चेन्नई (एजेंसी)।** तमिलनाडु में विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके के नेता और राज्यसभा सांसद सीवी षणमुगम की एक विवादित टिप्पणी के चलते काफी आलोचना हो रही है। दरअसल पार्टी की एक बूथ कमेटी मीटिंग में बोलते हुए षणमुगम ने कहा कि, स्टालिन सरकार का फ्री चीजें बांटने का इतिहास रहा है। चुनाव नजदीक आ रहे हैं, तो वे (स्टालिन) लैपटॉप, मिनी बस, मिक्सी, ग्राइंडर के अलावा अब शायद फ्री वाइफ भी बांट सकते हैं। इस टिप्पणी की सत्ताधारी डीएमके ने कड़ी निंदा की है। पार्टी ने षणमुगम पर महिलाओं को अश्लील के रूप में दिखाने का आरोप लगाया। तमिलनाडु की समाज कल्याण मंत्री पी गीता जीवन ने इस टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि षणमुगम ने महिलाओं की तुलना मुफ्त चीजों से करके उनका अपमान किया है। वे इंसान कहने के लायक नहीं हैं। वीडियो में सांसद ने क्या कहा... षणमुगम का जो वीडियो सामने आया है, वह कितना पुराना है। इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। जब हमारी सरकार थी हमने बिना मांगे 2,500 रुपये बांटे थे।

## पांच दिन पहले खरीदी गई बस बनी धधकता ताबूत

### जैसलमेर अग्निकांड में अब तक 21 लोगों की मौत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राजस्थान के जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर मंगलवार दोपहर एक दिल दहलाने वाला हादसा हुआ, जब एक नई प्राइवेट बस में आग लगने से 21 यात्रियों की जिंदा जलकर मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, बस में 57 यात्री सवार थे। ये बस जैसलमेर से जोधपुर जा रही थी। हादसे की प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग का कारण माना जा रहा है। इस दुखद घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। बस महज पांच दिन पहले खरीदी गई थी और दोपहर 3 बजे जैसलमेर से रवाना हुई थी। हाईवे पर अचानक बस के पिछले हिस्से से धुआं उठने लगा। चालक ने तुरंत बस को सड़क किनारे रोका, लेकिन देखते ही देखते आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोग और राहगीर बचाव के लिए दौड़े, लेकिन आग की तीव्रता के आगे वे बेबस रहे। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों ने भी बचाव में सहयोग किया। जिला प्रशासन ने तुरंत राहत कार्य शुरू किए।

### मृतकों की पहचान के लिए होगा डीएनए टेस्ट

जिला कलेक्टर ने बताया कि बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई, और कई शव इतने जल गए कि उनकी पहचान असंभव है। जोधपुर से डीएनए और फोरेंसिक टीमें मौके पर पहुंची हैं। कलेक्टर ने कहा, मृतकों की पहचान डीएनए टेस्ट के जरिए होगी, जैसा कि अहमदाबाद विमान हादसे में किया गया था। इसके बाद ही शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। हादसे की गंभीरता को देखते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा मंगलवार रात जैसलमेर पहुंचे और जले हुए बस का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना जताई और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर गहरा दुख जताया। पीएमओ के एक एक्स पोस्ट में उन्होंने कहा, जैसलमेर, राजस्थान में हुए हादसे में जानमाल के नुकसान से व्यथित हूं। मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। उन्होंने मृतकों के परिजनों के लिए पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की।

## पंचायत चुनाव से पहले मेरठ में सपा ने चला गुर्जर कार्ड!

### योगी की टेंशन बढ़ाएगा अखिलेश यादव का 'तुरुप का इक्का'

**मेरठ (एजेंसी)।** पश्चिमी यूपी की सियासत में एक बार फिर जातीय समीकरणों की बिसात बिछाई जा रही है। पंचायत चुनाव से ठीक पहले समाजवादी पार्टी (सपा) ने बड़ा दांव चलते हुए गुर्जर समाज को साधने की रणनीति पर जोर दिया है। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अब पश्चिम की राजनीति में गुर्जर कार्ड चलते हुए, भाजपा के मजबूत सामाजिक आधार को चुनौती दी है। मेरठ जिले में जाट समाज के विपिन चौधरी की जगह, गुर्जर नेता कर्मवीर गूमी को जिलाध्यक्ष बनाकर सपा ने एक तरह से तुरुप का इक्का चल दिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) समीकरण पर काम किया था, जो कई क्षेत्रों में कारगर साबित हुआ। अब पार्टी वही खेल करेगी।

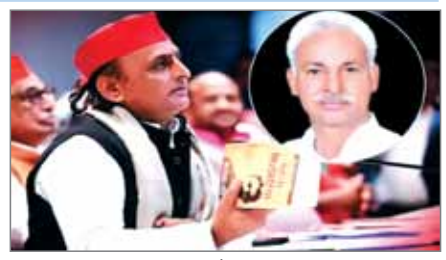

## महाराष्ट्र के बाद जम्मू-कश्मीर में भी हो गया इंडिया में 'खेला'

● गठबंधन में दरार,कांग्रेस ने नेशनल कांफ्रेंस को थमा दिया अल्टीमेटम

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जम्मू और कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन में पहले से ही जारी मतभेद के बाद इसकी दरार और चौड़ी होती नजर आ रही है। कांग्रेस वहां पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की पार्टी से राज्यसभा की एक सेफ सीट चाहती थी। लेकिन, उसने ऐसा नहीं किया। केंद्र शासित प्रदेश में राज्यसभा चुनावों के बाद विधानसभा की दो सीटों पर उपचुनाव भी होने हैं। अब कांग्रेस कह रही है कि नेशनल कांफ्रेंस या तो एक सीट उसे दे या फिर वह दोनों सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। कांग्रेस का कहना है कि बहुत हो गया, अब और नहीं। जम्मू और कश्मीर में दो सीटों बडगाम और नगरोटा में 11 नवंबर को मतदान होना है।

## 2040 तक मानव को चांद पर ले जाएगा भारत

● 2027 में लॉन्च होगा स्वदेशी मानव स्पेस मिशन 'गगनयान' ● इसरो चीफ नारायणन ने बताया मिशन लांच करने का प्लान

**रांची (एजेंसी)।** इसरो चीफ वी. नारायणन ने बुधवार को कहा कि भारत ने 2040 तक अपने नागरिकों को चंद्रमा पर उतारने का टारगेट तय किया है। वहीं, भारत का पहला मानव स्पेस मिशन 'गगनयान' 2027 में लॉन्च होना है। नारायणन ने बताया कि इसरो 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना और 2026 तक तीन बिना मानव वाले गगनयान मिशन लॉन्च करने पर काम कर रहा है। इनमें से पहला मिशन, जिसमें अर्ध-मानव रोबोट 'व्योममित्रा' शामिल होगा, दिसंबर 2025 में लॉन्च किया जाएगा। नारायणन रांची स्थित बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा के 35वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

### भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन 2035 तक

इसरो प्रमुख ने बताया कि 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' की स्थापना 2035 तक की जाएगी। इसके शुरुआती मॉड्यूल 2027 से ही अंतरिक्ष में स्थापित किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, गगनयान मिशन में प्रगति हो रही है। क्रू मिशन से पहले तीन बिना मानव वाले मिशनों की योजना है। व्योममित्रा इस साल दिसंबर में उड़ान भरेगी, जबकि दो और मिशन अगले साल होंगे।

### चंद्रयान-4,मंगल मिशन और एएक्सओएम

उन्होंने कहा कि भारत की आने वाली परियोजनाओं में चंद्रयान-4, चंद्रयान-5, एक नया मंगल मिशन, और एएक्सओएम (खगोल विज्ञान वेधशाला मिशन) शामिल हैं। इसरो प्रमुख ने बताया कि 'आदित्य-रु मिशन' ने अब तक 15 टेराबाइट से अधिक सौर डेटा एकत्र किया है, जिससे सौर ज्वालाओं और अंतरिक्ष मौसम पर मूल्यवान जानकारी मिली है।

## संक्षिप्त समाचार

### पटना में बुजुर्ग दंपत्ति को 5 दिन रखा हाउस अरेस्ट, दुर्गा पूजा में मुंबई से आए थे दोनों

**पटना।** पटना के पाटलिपुत्र कॉलोनी स्थित प्रिंस रेसीडेंसी में बुजुर्ग दंपत्ति को डिजीटल अरेस्ट करने का मामला सामने आया है। रिटायर्ड FCI के कर्मी श्यामानंद झा (80) अपनी पत्नी के साथ दुर्गा पूजा मानने मुंबई से पटना आए थे। इसी बीच उनके मोबाइल फोन पर 8 अक्टूबर को कॉल आया। सामने वाले ने खुद को नारकोटिक डिपार्टमेंट का अधिकारी बताकर 8 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक घर में कैद रहने पर मजबूर रखा। इस दौरान बुजुर्ग दंपत्ति से 27 लाख की फिक्स डिपोजिट भी तुड़वाई गई। बुजुर्ग दंपत्ति की बेटी सुनीता ने पाटलिपुत्र थाने की पुलिस को फोन कर के कहा कि उनके माता पिता दुर्गा पूजा में पटना गए थे। पिछले 5 दिनों से बातचीत ठीक तरीके से नहीं कर पा रहे हैं। कुछ अज्ञात लोगों ने दोनों को हाउस अरेस्ट कर के रखा है। इसके बाद पाटलिपुत्र SHO अतुलेश सिंह ने वरीय अधिकारियों को सूचना देते हुए विशेष टीम गठित की। जिसमें एडिशनल SHO विशाल सिंह, अर्चना कुमारी, गुड्डू कुमार सिंह, लालचंद प्रसाद समेत अन्य पदाधिकारियों को शामिल किया। बेटी की सूचना पर लोकेशन पर जब पुलिस पहुंचीं तो डर से बुजुर्ग दंपत्ति गेट नहीं खोल रहे थे। काफी कोशिश के बाद उन्होंने गेट खोला। अंदर जब पुलिस गई, उस वक्त तक दंपत्ति पर शातिर वीडियो कॉलिंग के जरिए नजर बनाए हुए थे। पुलिस ने दोनों का रेस्क्यू कर के थाने पर लाई और पूछताछ की। जिसमें बुजुर्ग दंपत्ति ने बताया कि 8132930118 नंबर से कॉल आया था।

### संदिग्ध हालात में घर से मिली लड़की की लाश, मुजफ्फरपुर में गांव के लड़के से की थी लव मैरिज

**मुजफ्फरपुर।** मुजफ्फरपुर में गुरुवार की सुबह एक युवती की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतका की पहचान 16 साल की गुंजा कुमारी के रूप में हुई है, जिसका शव उसके घर के बिछावन पर पड़ा मिला। मामला हत्था थाना क्षेत्र के केवट्सा गांव का है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, गुंजा कुमारी ने 2 महीने पहले ही गांव के जयप्रकाश सहनी (22) से प्रेम विवाह किया था। बताया गया कि दोनों का प्रेम प्रसंग मालिनगर हाई स्कूल में पढ़ाई के दौरान शुरू हुआ था। विवाह के बाद से ही दोनों के बीच विवाद की बातें भी सामने आई थी। सूचना मिलते ही हत्था थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। थानेदार लोकेश कुमार चौधरी ने बताया कि "मृतका के गले पर निशान पाए गए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था, जिसके बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। "हालांकि पुलिस को फिलहाल किसी भी पक्ष से लिखित आवेदन नहीं मिला है। ग्रामीण सूत्रों का कहना है कि घटना के बाद सामाजिक स्तर पर मामले को सलटाने की कोशिशें भी की जा रही हैं। उधर, परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं और न्याय की मांग कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा।

### तेजस्वी राघोपुर सीट से तीसरी बार नामांकन किए दाखिल, बेटे के साथ लालू-राबड़ी पहुंचे वैशाली

**हाजीपुर।** राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता तेजस्वी यादव वैशाली के राघोपुर सीट से तीसरी बार चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने आज अनुमंडल कार्यालय हाजीपुर में सदर एसडीओ रामबाबू बैठा के समक्ष नामांकन दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ पिता लालू यादव और मां राबड़ी देवी मौजूद रही। बता दें कि तेजस्वी यादव का वैशाली आगमन महात्मा गांधी सेतु से हुआ। जदुआ टोल प्लाजा के पास हाजीपुर प्रत्याशी देव कुमार चौरसिया ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ उनका स्वागत किया। इसके बाद उनका काफिला रोड शो करते हुए पासवान चौक, फिर रामआशीष चौक से स्टेशन रोड होते हुए गांधी चौक पहुंचा। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद तेजस्वी अब हाजीपुर के चौरसिया चौक स्थित एक निजी होटल में जनसभा को संबोधित करेंगे। वहीं महुआ विधानसभा सीट से नामांकन दाखिल करने के लिए RJD उम्मीदवार और विधायक मुकेश रौशन काफिला के साथ महुआ पहुंचे, थोड़े देर में नामांकन करेंगे। हाजीपुर विधानसभा सीट से देव कुमार चौरसिया भी नामांकन दाखिल कर दिए हैं। महुआ विधानसभा सीट से मुकेश रौशन का नामांकन प्रक्रिया चल रही है। बता दें कि आज हाजीपुर प्रत्याशी देव कुमार चौरसिया भी अपना नामांकन दर्ज करेंगे। इसके अतिरिक्त, महुआ विधानसभा सीट से राजद प्रत्याशी मुकेश रौशन भी महुआ अनुमंडल कार्यालय में अपना नामांकन दर्ज करेंगे। तेजस्वी यादव पहली बार 2015 में राघोपुर से विधायक बने थे और उस समय महागठबंधन सरकार में उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया था। अब वह तीसरी बार वैशाली जिले के इस विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं।

### कांटी में अजीत कुमार को जदयू का टिकट, सकरा से आदित्य कुमार उम्मीदवार

**मुजफ्फरपुर।** बिहार विधानसभा चुनाव के लिए मुजफ्फरपुर में राजनीतिक माहौल गरम है। जिले की प्रमुख विधानसभा सीटों पर एनडीए और महागठबंधन के प्रत्याशी घोषित हो चुके हैं, और आने वाले हफ्तों में इन सीटों पर सघन प्रचार और कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। कांटी विधानसभा क्षेत्र से पूर्व मंत्री अजीत कुमार को जेडीयू का टिकट मिला है। वे इस सीट से एनडीए के लिए चुनाव लड़ेंगे। कांटी से वर्तमान में राजद के इसराल मंसूरी विधायक हैं। अजीत कुमार की मंत्री पद की पहले अनुभव और स्थानीय पकड़ ने उन्हें इस सीट पर मजबूत उम्मीदवार बना दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि कांटी में यह सीट निर्णायक साबित हो सकती है। गायघाट विधानसभा से एनडीए उम्मीदवार कोमल सिंह और महागठबंधन के निरंजन राय के बीच मुकाबला तय माना जा रहा है। यह सीट हमेशा से चुनावी दृष्टि से संवेदनशील रही है और इस बार भी इसमें उम्मीदवारों की लोकप्रियता और स्थानीय मुद्दों का असर प्रमुख भूमिका निभाएगा। NDA की पकड़मीनापुर विधानसभा से अजय कुशवाहा और सकरा (सुरक्षित) से आदित्य कुमार को एनडीए उम्मीदवार घोषित किया गया है। दोनों उम्मीदवार जेडीयू के सिंबल पर चुनाव लड़ेंगे। साहेबगंज विधानसभा सीट से ठाकुर हरि किशोर सिंह को जन सुराज पार्टी ने उम्मीदवार बनाया है। वहीं, महागठबंधन ने पारू विधानसभा से शंकर प्रसाद यादव को बरकरार रखा है। ये सीटें भी राजनीतिक दृष्टि से अहम मानी जा रही हैं और चुनाव में निर्णायक साबित हो सकती हैं। चार प्रमुख सीटों पर अब एनडीए और महागठबंधन के बीच सीधी टक्कर देखने को मिलेगी। कांटी में अजीत कुमार की एंट्री ने स्थानीय राजनीतिक समीकरणों को बदल दिया है। गायघाट, मीनापुर और सकरा में उम्मीदवारों की लोकप्रियता और उनके क्षेत्रीय प्रभाव पर चुनाव का परिणाम टिका रहेगा। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी चुनाव में विकास, रोजगार, कृषि और स्थानीय मुद्दे सबसे बड़ा कारक साबित होंगे।

### मुजफ्फरपुर नगर विधानसभा सीट से बीजेपी के 3 दावेदार

**मुजफ्फरपुर।** मुजफ्फरपुर नगर विधानसभा सीट पर बीजेपी में टिकट को लेकर घमासान मचा हुआ है। पूर्व मंत्री और पार्टी के सीनियर नेता सुरेश शर्मा के टिकट पर फंस गया है। सूत्रों के अनुसार नगर सीट से बीजेपी के तीन नाम प्रमुख रूप से चर्चा में हैं। पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष रंजन कुमार और पार्टी की एक महिला नेत्री हैं। तीनों दावेदारों के बीच अंदरूनी खींचतान के कारण पार्टी में असमंजस की स्थिति बन गई है। इस बीच बुधवार को सुरेश शर्मा के समर्थकों ने पटना स्थित प्रदेश बीजेपी कार्यालय के बाहर जमकर प्रदर्शन किया। समर्थकों ने 'सुरेश शर्मा का टिकट वापस करो" के नारे लगाए। पार्टी नेतृत्व से सुरेश शर्मा को उम्मीदवार बनाए जाने की मांग की। प्रदर्शन में शामिल पार्टी के कार्यकर्ता अमर बाबू ने कहा कि मुजफ्फरपुर के असली नेता सुरेश शर्मा हैं। जनता और संगठन दोनों के लिए लंबे समय तक काम किया है। कुछ लोग साजिश के तहत उनका टिकट काटने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हम यह अन्याय नहीं होने देंगे। वार्ड 27 के पार्षद अजय ओझा ने कहा कि सुरेश शर्मा पार्टी के लिए लगातार सक्रिय रहे हैं। हमेशा संगठन को मजबूत किया है, लेकिन अब उनके साथ साजिश की जा रही है। कार्यकर्ता इसे स्वीकार नहीं करेंगे। बीजेपी के अंदर चल रही यह खींचतान नगर विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक हलचल बढ़ा रही है।

# पटना से कुख्यात सुमित उर्फ जेलर गिरफ्तार, 12 से अधिक मामले थे दर्ज

एजेंसी, पटना

- इनामी बदमाश समेत तीन गिरफ्तार हथियार बरामद

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले अपराधियों पर शिकंजा कसने में पटना पुलिस जुट गई है। इसी क्रम में ग्रामीण इलाके से 25 हजार के इनामी अपराधी समेत तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ग्रामीण SP विक्रम सिहाग ने बताया कि पंडारक निवासी सुमित उर्फ जेलर को खुसरूपुर इलाके के भुस्की ऑटो स्टैंड से गिरफ्तार किया गया है। उस पर आर्म्स एक्ट, डकैती और लूट समेत 12 से अधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि वह किसी काम के सिलसिले में इलाके में आया है।

**आर्म्स एक्ट और NDPS एक्ट में था फरार 'जेलर':** इसी आधार पर छापेमारी कर उसे दबोच लिया गया। गिरफ्तारी के बाद उसकी निशानदेही पर एक हथियार और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, वह वर्ष 2025 से आर्म्स और NDPS एक्ट के मामले में फरार चल रहा था।

**गोलीकांड में फरार धनंजय यादव गिरफ्तार:** खुसरूपुर थाना क्षेत्र में 4 अक्टूबर को धनंजय यादव ने आपसी विवाद में अपने गांव के डोमन यादव को गोली मार दी थी। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे एक देसी कट्टा और दो कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया।

**फतुहा डकैती कांड का फरार आरोपी पकड़ा गया:** 30 जुलाई 2022 को फतुहा थाना क्षेत्र में हुई डकैती की घटना में बुजुर्ग दंपत्ति को बंधक बनाकर लाखों की लूट की गई थी। इस मामले में नौ अपराधी पहले ही पकड़े जा चुके थे, जबकि एक आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस ने अब उसे भी दबोच लिया है। वह 25 हजार रुपये का इनामी बदमाश था।

**चुनाव से पहले अपराधियों पर सख्त निगरानी- SP सिहाग:** ग्रामीण SP ने बताया कि चुनाव को देखते हुए पुलिस लगातार संदिग्धों और फरार अपराधियों की धर-पकड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर थाने को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

# डॉ. रामानंद यादव फतुहा से करेंगे नामांकन

एजेंसी, पटना

- लगातार तीन बार रहे राजद विधायक, लालू यादव ने सौंपा चुनाव चिन्ह

पटना के फतुहा विधानसभा क्षेत्र से महागठबंधन समर्थित राजद उम्मीदवार डॉ. रामानंद यादव आज बुधवार को नामांकन दाखिल करेंगे। वे दोपहर 12:30 बजे अपने निवास स्थान मौजीपुर फतुहा से समर्थकों के साथ रवाना होकर भद्र घाट गंगा तट पहुंचेंगे। वहां से जुलूस के रूप में पटना सिटी अनुमंडल कार्यालय जाएंगे, जहां वे अपना नामांकन पर्चा दाखिल करेंगे। नामांकन के दौरान महागठबंधन के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। प्रक्रिया पूरी होने के बाद डॉ. यादव का काफिला रोड शो करते हुए मौजीपुर स्थित आवास लौटेगा। मंगलवार की शाम उन्हें राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने पार्टी का चुनाव चिन्ह (लालटेन) सौंपा।

**तीन बार जीते, अब चौथी बार जीत का दावा:** डॉ. रामानंद यादव फतुहा से लगातार तीन बार (2010, 2015, 2020) राजद के टिकट पर विधायक बन चुके हैं। यदि वे इस बार भी जीत दर्ज करते हैं, तो वे चार बार विधायक रहे पुनीत राय की बराबरी कर लेंगे।राजनीति में सादगी और जनसंपर्क के लिए पहचाने जाने वाले डॉ. यादव का फतुहा क्षेत्र में मजबूत जनाधार माना जाता है।

**2.72 लाख मतदाता तय करेंगे किस्मत:** वर्तमान में फतुहा विधानसभा क्षेत्र में कुल 2,72,043 मतदाता हैं। इनमें पुरुष: 1,44,058महिला: 1,27,979थर्ड जेंडर: 6नामांकन के साथ ही क्षेत्र में चुनावी हलचल तेज हो गई है। समर्थकों के बीच आज का दिन उत्सव जैसा माहौल लेकर आया है।

# अब व्हाट्सएप पर मिलेगी छठ घाटों की जानकारी

एजेंसी, पटना

- पटना नगर निगम ने शुरू की चैट बोट सेवा, एक क्लिक में ऐसे मिलेगी डिटेल

अब छठ घाटों की जानकारी आम लोगों को व्हाट्सएप पर ही मिलेगी। पटना नगर निगम ने छठ महापर्व के लिए विशेष व्यवस्था की है। आम लोगों की सुविधा के लिए वाट्सएप चैट बोट की शुरुआत की गई है। अब पटनावासी घर बैठे अपने नजदीकी छठ घाट और तालाबों की जानकारी बस एक क्लिक में ही प्राप्त कर सकते हैं। इस चैट बोट पर पटना नगर निगम से दी जा रही सभी प्रकार की सुविधाओं के बारे में भी जानकारी रहेगी। इसके साथ ही शिकायत करने की सुविधा भी उपलब्ध मिलेगी। यह निगम की अपनी तरह की पहली ई-सेवा है।

**घाट के नाम के साथ होगा पदाधिकारी का नंबर उपलब्ध:** पटना नगर निगम द्वारा घाट का नाम, गूगल लोकेशन, सफाई इंस्पेक्टर और जोनल आफिसर का नाम और नंबर भी आम लोगों को उपलब्ध कराया जाएगा। किसी तरह की जानकारी मोबाइल नंबर से भी प्राप्त की जा सकती है। पटना नगर निगम व्रतियों को अर्घ्य देने के लिए छठ घाटों को भी तैयार कर रहा है। वे एक क्लिक पर जानकारी ले सकते हैं कि घाट कहां-कहां हैं।

# कांग्रेस अपने उम्मीदवारों को बांटेगी सिंबल, जिन सीटों पर बात नहीं बनी, वहां हो सकती फ्रेंडली फाइट

एजेंसी, पटना

**राहुल ने सुपर स्क्रीनिंग कमेटी बनाने की दी सलाह**

महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर फंसे पेंच के बीच कांग्रेस आज अपने उम्मीदवारों को सिंबल बांट सकती है। दिल्ली में दो दिन तक हाई कमान के साथ चली मीटिंग के बाद आज प्रदेश के नेता पटना पहुंच रहे हैं। इसके बाद वह उम्मीदवारों से मिलकर उन्हें सिंबल देंगे। जिन सीटों पर महागठबंधन में बात नहीं बनी है, उन सीटों पर फ्रेंडली फाइट हो सकती है। कांग्रेस अबकी बार सीटों की क्वालिटी पर कोई समझौता नहीं करना चाहती है।

**50 सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों के नामों पर लगी मुहर:** सूत्रों के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली में हुए CEC की बैठक में कांग्रेस ने कुल 50 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगा दी है। इसकी लिस्ट आज जारी हो सकती है। वहीं, इस बैठक में कांग्रेस ने 25 और सीटों पर उम्मीदवार के नाम को फाइनल कर दिया है। पिछली CEC में भी 25 टिकट क्लियर हुए थे, लेकिन उनमें से 6-7 सीटों पर कल दोबारा चर्चा करके उनको क्लियर कर दिया गया है।

**राहुल गांधी ने सुपर स्क्रीनिंग कमेटी बनाने की दी सलाह:** कल की CEC बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कर रहे थे। उनके साथ मीटिंग में केसी वेणुगोपाल, अजय माकन, अधीर रंजन चौधरी सहित प्रदेश के नेता कृष्ण अल्लावरू, राजेश राम, शकील अहमद खान भी मौजूद थे। वहीं, राहुल गांधी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे। राहुल गांधी ने सुझाव दिया कि जिन विधानसभा क्षेत्र से दो या तीन उम्मीदवारों के नाम हैं, उनमें से एक नाम चुनाव के लिए सुपर स्क्रीनिंग कमेटी बनाकर अंतिम सहमति बनाई जाए।

**बैठक में क्वालिटी सीटों पर उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा:** कांग्रेस CEC की मीटिंग से बाहर निकलने के बाद बिहार कांग्रेस प्रमुख राजेश राम ने कहा, 'कांग्रेस पार्टी के हिस्से के जो क्षेत्र हैं उस पर उम्मीदवारों के चेहरों पर निर्णय ले लिया गया है। हम जल्द ही आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करेंगे। बैठक में क्वालिटी सीटों पर उम्मीदवारों के नामों पर अंतिम फैसला लिया गया है।'

# कांग्रेस ने कहा- नीतीश बाबू जब हमारे साथ थे तो वो जनता के साथ थे, आज व्यापारियों के साथ हैं

एजेंसी, पटना

बिहार चुनाव में सीट शेयरिंग को लेकर मचे बवाल के बीच कांग्रेस ने नीतीश कुमार को लेकर चिंता व्यक्त की है। 20 साल 20 सवाल श्रृंखला के बीच कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अतुल लोंढे पाटिल ने कहा कि सुशासन बाबू दुशासन और दुर्योधन के गोद में बैठ गए हैं। वहां उनके पापों में भागीदार बन रहे हैं। नीतीश बाबू जब अकेले थे, या हमारे साथ थे या फिर भाजपा के बिना थे, तो वह जनता के होते। आज वह जिस तरह से बीजेपी के साथ हैं तो वह बड़े-बड़े व्यापारियों के हो रहे हैं। अगर वह हमारे साथ होते तो कभी भी 1050 एकड़ जो बिहार के किसानों की जमीन है, अदानी को नहीं मिलती।

**ऐसा कोई सगा नहीं जिसे मोदी-शाह की भाजपा ने ठगा नहीं:** उन्होंने आगे कहा कि नेशनल धोखेबाज गठबंधन यानी कि NDA सरकार ने धोखे देने का काम है, उन्हें बिहार कभी मौका नहीं देगा। चुनाव जीतने के लिए योजना लाते हैं, मगर उसे अमल में नहीं लाते हैं और बाद में जनता से धोखा करते हैं। तीन चुनाव तो मोतिहारी के चीनी मिल पर ही चल रही है। भाजपा ने बिहार को कुछ नहीं दिया, मगर उन्होंने ट्रेन बहुत दिए हैं, ताकि बाहर जाकर मजदूरी करो मगर यहां फैक्ट्री नहीं देंगे। ऐसा कोई सगा नहीं जिसे मोदी शाह की भाजपा ने ठगा नहीं। ये दो लोग अपने दो दोस्त और गुजरात को ही देते हैं।

**नीतीश कुमार नजरबंद कैद में हैं:** 2005 में महिला उद्यमी योजना लाई थी, महिलाओं के ऊपर 1 लाख करोड़ का कर्ज माइक्रो फाइनेंस का है। नीतीश कुमार को इसका जवाब देना चाहिए। हालांकि, वह नहीं मिलेंगे क्योंकि उन्हें कुछ लोगों ने घेर रखा है इसमें विजय चौधरी, ललन सिंह, संजय झा शामिल है। उन्होंने सीएम पर कब्जा कर लिया है। नीतीश कुमार इनके नजरबंद कैद में हैं। वह सीएम को किसी से मिलने ही नहीं देते हैं, छोटे-मोटे कार्यकर्ता तो दूर की बात है, सांसद-विधायक भी खाली हाथ लौटते हैं।

# पटना में कांग्रेस उम्मीदवार अनिल शर्मा करेंगे नामांकन, विक्रम में त्रिकोणीय मुकाबले के आसार

एजेंसी, पटना

- भाजपा से सिद्धार्थ तो जनसुराज से मंटू शर्मा मैदान में

पटना जिले के बिक्रम विधानसभा सीट से महागठबंधन के कांग्रेस उम्मीदवार पूर्व विधायक अनिल शर्मा आज अपना नामांकन दाखिल करेंगे। वे बुधवार को विक्रम प्रखंड मुख्यालय में अपना पर्चा भरेंगे। अनिल शर्मा ने अपने फेसबुक पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी है। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जिसके चलते विभिन्न राजनीतिक दलों में सीटों को लेकर लगातार गहमागहमी बनी हुई है।

**विक्रम विधानसभा से तीन बार से विधायक रहे:** अगर पूर्व विधायक अनिल शर्मा के बारे में बात करें तो वह विक्रम विधानसभा से तीन बार से विधायक रहे। इसमें एक बार लोजपा पार्टी से, जबकि दो बार भाजपा पार्टी से चुने गए थे। पिछले 2015 विधानसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उसके बाद 2020 में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में उन्होंने नामांकन पर्चा दाखिल किया था, लेकिन हार हुई। वही लोकसभा चुनाव 2024 में उन्होंने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन किया और लगातार क्षेत्र में लोगों के बीच जनसंपर्क भी किया।

**भाजपा की तरफ से सिद्धार्थ सौरभ उम्मीदवार:** बिक्रम विधानसभा से एनडीए गठबंधन के तरफ से भाजपा पार्टी के तरफ से सिद्धार्थ सौरभ को उम्मीदवार बनाया गया है। वो पिछले दो बार से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े और विधायक के रूप में चुने गए थे। लेकिन इस बार लोकसभा चुनाव के समय वह कांग्रेस पार्टी को छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। सिद्धार्थ सौरभ कल यानी 16 तारीख को अपना नामांकन प्रचार दाखिल करेंगे। जबकि, प्रशांत किशोर की जन-सुराज पार्टी के तरफ से मंटू शर्मा को विक्रम विधानसभा से उम्मीदवार के रूप में चुना गया है जो 17 तारीख को अपना नामांकन पर्चा दाखिल करेंगे। इसके अलावा तेज प्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल के तरफ से अजीत कुशवाहा को उम्मीदवार बनाया गया है वह भी 17 अक्टूबर को अपना नामांकन पर्चा दाखिल करेंगे।

# जीपीओ में आधार सुधार के लिए उमड़ी भीड़, रात 3 बजे से लग रही लाइनें

एजेंसी, पटना

'पिछले 1 साल से अपनी मां के आधार में सुधार करवाने के लिए GPO का चक्कर लगा रहा हूं। कभी डॉक्यूमेंट लाने के लिए कहा जाता है तो कभी उसे सही तरीके से अपलोड नहीं किया जाता है। पेंशन फंसी हुई है। दलाल भी एक्टिव हो गए हैं। कोई 15000 तो कोई 20000 रुपए सुधार कराने के लिए डिमांड कर रहा है।' यह कहना है भोजपुर जिले से पटना GPO आधार कार्ड बनवाने आए चंदेश्वर प्रसाद का। पटना के जनरल पोस्ट ऑफिस (GPO) में आधार में सुधार और नए आधार कार्ड बनवाने के लिए रोजाना हजारों लोगों की भीड़ उमड़ रही है। हालात यह हैं कि फॉर्म लेने के लिए लोग सुबह 3 बजे से लाइन में लग जाते हैं, कई लोग पिछले एक-दो हफ्तों से पटना में किराए पर कमरे लेकर रह रहे हैं, जबकि कुछ लोग फुटपाथ पर ही रात गुजार रहे हैं। पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, भोजपुर, नवादा, बिहारशरीफ, अररिया, पूर्णिया और किशनगंज जैसे दूरदराज जिलों से लोग सुधार के लिए पटना पहुंच रहे हैं। अधिकांश लोगों की शिकायत है कि अपने-अपने जिलों में आधार सुधार की व्यवस्था नहीं है, इसलिए मजबूर होकर GPO का रुख करना पड़ रहा है।

**दो महीने से लगातार आ रहा, अब तक फॉर्म नहीं मिला- मुन्ना कुमार:** पश्चिमी चंपारण से आए मुन्ना कुमार ने बताया कि, डेट ऑफ बर्थ में सुधार कराने के लिए सुबह से लाइन में लगे हैं। लेकिन अभी तक पर्ची नहीं मिली। पिछले दो महीने से लगातार इसे ठीक कराने में लगे हैं। अभी तक नहीं हो पाया है। जिले में भी कोई व्यवस्था नहीं है। वहां सुधार कराने जाने पर बोला जाता है, पटना से होगा। नवादा के मोहम्मद वाजिद अंसारी ने बताया कि, आधार में गड़बड़ी की वजह से बच्ची मैट्रिक की परीक्षा नहीं दे पा रही है। फर्स्ट टाइम जब बना तो उसी समय नाम और डेथ ऑफ बर्थ में बनाने वाले ने गड़बड़ी कर दी। डेथ ऑफ बर्थ तो मैनेज कर लिया। लेकिन नाम में अंसारी की जगह कुछ और कर दिया गया है। पिछले 1 साल से दौड़ रहा हूं। शेखपुरा के मुकेश ने बताया कि, डेट ऑफ बर्थ में सुधार कराने के लिए पिछले 3 दिन से लगातार आ रहा हूं। लेकिन 3 बजे सुबह में आने के बाद भी अभी तक फॉर्म नहीं मिल पाया था। आज 2 बजे सुबह में आया तो फॉर्म मिल पाया। फिर भी मेरा नम्बर अभी नहीं आया है।

**भीड़ से जूझता GPO, 10 काउंटर पर हर दिन 300 फॉर्म:** GPO के सूत्रों की मानें तो UIDAI के अधिकतर सेंटर ब्लॉक, जिला और राजधानी पटना समेत पूरे बिहार में सस्पेंड हैं। इसके पीछे की वजह क्या है, अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। राजधानी पटना के एक्जीबिशन रोड स्थिति सेंटर भी सस्पेंड है। इस सेंटर की केपिसिटी प्रतिदिन 1000 लोगों की थी। अब इस सेंटर समेत पूरे बिहार का दबाव GPO पर आ गया है। पटना जीपीओ में प्रतिदिन औसतन 1000 से 1500 लोग आधार सुधरवाने के लिए पहुंच रहे हैं। संसाधनों की कमी और UIDAI से रजिस्ट्रेशन नहीं होने के चलते सिर्फ 8 काउंटर ही काम कर रहे हैं। इसके अलावा 2 काउंटर मोबाइल नंबर अपडेट करने के लिए बनाए गए हैं। यानी कुल 10 काउंटर फिलहाल एक्टिव हैं। प्रतिदिन 300 लोगों में सुधार के लिए फॉर्म बांटे जा रहे हैं। इसमें 150 पुरुष और 150 महिला शामिल किए जा रहे हैं। इसके अलावा VIP और वीवीआईपी लोगों का भी ख्याल रखा जा रहा है। प्रतिदिन 4 से 5 VIP भी सुधार कराने आ रहे हैं। GPO भी UIDAI से एक रजिस्टर्ड सेंटर है। जो फिलहाल वर्क कर रहा है। जिसके चलते तीन गुणा अधिक दबाव है।

**पुलिसकर्मी एक्टिव, कैंपस में संदिग्ध लोगों पर नजर:** GPO के कर्मियों के अलावा अब पुलिस भी एक्टिव हो गई है। कैंपस में संदिग्ध लोगों पर नजर रखी जा रही है। अभी तक लिखित तौर पर दलालों के बारे में किसी ने पुलिस या GPO में सूचना नहीं दी है।

## संक्षिप्त समाचार

### भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा, चुनाव और तस्करी पर उच्च स्तरीय बैठक

**बीएनएम @ रक्सौल।** सीमान्त मुख्यालय एसएसबी पटना के महानिरीक्षक निशीत कुमार उज्जवल (भा.पु.से) ने 47वीं वाहिनी एसएसबी रक्सौल के दो दिवसीय दौरे को आज सम्पन्न किया। रक्सौल पहुँचने पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने पौधारोपण किया और सैनिक सम्मेलन को संबोधित किया। सम्मेलन में उन्होंने सीमा सुरक्षा, आवाजाही करने वाले नागरिकों की पहचान, तलाशी और सतर्कता को लेकर आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने बल कार्मिकों से ड्यूटी व व्यक्तिगत समस्याओं की जानकारी ली और उनका मनोबल बढ़ाया। इसके उपरांत आईसीपी रक्सौल में भारत-नेपाल सीमावर्ती जिलों की संयुक्त समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई। इसमें भारतीय पक्ष से जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, क्षेत्रक मुख्यालय एसएसबी बेतिया के उप महानिरीक्षक एस. सुब्रमण्यम, 47वीं वाहिनी के कमांडेंट संजय पांडेय और अन्य अधिकारी शामिल हुए। नेपाल की ओर से परसा जिले के सीडीओ तोय नारायण सुबेदी, एपीएफ ब्रिगेड-03 चितवन के डीआईजी अंजनी कुमार पोखरेल, नेपाल पुलिस व प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में आगामी बिहार विधानसभा चुनाव, सीमा पार तस्करी और अन्य सुरक्षा मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।

### रामनगर के बकवा चंद्रौल उपकेंद्र में आज छह घंटे बिजली रहेगी बाधित

**बीएनएम @ बगहा:** बगहा विद्युत आपूर्ति प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता आलोक अमृतांशु ने जानकारी दी है कि 33/11 केवी शक्ति उपकेंद्र, बकवा चंद्रौल में पावर ट्रांसफार्मर का क्षमता विस्तार किया जाएगा। यह कार्य 16 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक किया जाएगा। इस तकनीकी कार्य के दौरान छह घंटे के लिए विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।कार्यपालक अभियंता ने बताया कि यह कार्य बिजली आपूर्ति प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ व स्थायी बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है, ताकि उपभोक्ताओं को भविष्य में बेहतर व निर्बाध बिजली मिल सके।उन्होंने कहा कि पावर ट्रांसफार्मर के क्षमता विस्तार से क्षेत्र में बिजली वोल्टेज की समस्या में सुधार होगा और ट्रांसफार्मर पर लोड का दबाव भी कम होगा।इस दौरान रामनगर प्रखंड के विभिन्न इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप रहेगी। विभाग की ओर से उपभोक्ताओं को पहले से सूचित किया जा रहा है ताकि लोग अपनी आवश्यक तैयारियां समय से पूरी कर लेंकार्यपालक अभियंता आलोक अमृतांशु ने उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि वे अपने आवश्यक विद्युत कार्य सुबह 10 बजे से पहले निपटा लें, ताकि बिजली कटौती से असुविधा न हो।उन्होंने कहा कि कार्य पूरा होने के बाद संबंधित क्षेत्र में बिजली आपूर्ति और अधिक सुचारु व स्थायी रूप से बहाल की जाएगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए अस्थायी असुविधा के लिए खेद भी व्यक्त किया है।

### नगर निगम बेतिया विवाद पर निर्वाचन आयोग हुआ सक्रिय,

**बीएनएम @ बेतिया :** नगर निगम बेतिया से जुड़ा विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। अब इस मामले में संयुक्त निर्वाचन आयोग भी सक्रिय हो गया है। आयोग ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर उपमहापौर गायत्री देवी द्वारा महापौर गरिमा देवी सिकारिया पर लगाए गए आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया है। आयोग ने कहा है कि जांच रिपोर्ट वस्तुनिष्ठ तथ्यों पर आधारित हो और शीघ्र भेजी जाए। गौरतलब है कि उपमहापौर गायत्री देवी ने हाल ही में महापौर पर नगर निगम के कार्यों में अनियमितता, मनमानी और पारदर्शिता की कमी के आरोप लगाए थे। उन्होंने इन आरोपों को लेकर निर्वाचन आयोग से भी औपचारिक शिकायत दर्ज कराई थी। मामले के संज्ञान में आने के बाद आयोग ने इसे गंभीर मानते हुए जांच की जिम्मेदारी जिलाधिकारी को सौंपी है।इस घटनाक्रम के बाद स्थानीय राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। कई पार्षदों ने भी पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की है। अब सबकी निगाहें जिलाधिकारी की जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं, जिससे यह तय होगा कि नगर निगम बेतिया विवाद किस दिशा में आगे बढ़ेगा।

### महिला के साथ मारपीट

**बीएनएम @ जमुई/झाझा।** थानाक्षेत्र के बैजला गांव की एक महिला ने अपने ही गांव के पांच महिलाओं के खिलाफ मारपीट करने का आरोप लगाते हुए थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज आवेदन में गीता देवी ने बताई की मैं अपने घर पर थी तभी गांव की घुटरू देवी, विमली देवी, गौरी देवी, अनिता देवी, दालो देवी घर पर आकर गाली गलौज करने लगी जब मैने विरोध किया तो उक्त सभी ने ईट पत्थर चलाते हुए मारपीट की घटना को अंजाम दिया।

# विश्व हाथ धुलाई दिवस पर बच्चों ने सीखी स्वच्छता की अहमियत

## सेव द चिल्ड्रेन व सेल्सफोर्स की पहल पर सरैया और बरदाहा विद्यालयों में कार्यक्रम

**बीएनएम @ मोतिहारी**

विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर सेल्सफोर्स– बाल रक्षा भारत (सेव द चिल्ड्रेन) के सहयोग से मोतिहारी प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरैया एवं उत्क्रमित मध्य विद्यालय बरदाहा में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों और समुदाय में स्वच्छता, स्वास्थ्य सुरक्षा और बीमारियों की रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम के दौरान बाल रक्षा भारत के हामिद रज़ा और सत्य प्रकाश ने बच्चों को हाथ धोने के सभी सात चरणों का एक-एक कर व्यावहारिक प्रदर्शन (डेमो) कराया और यह बताया कि नियमित रूप से सही तरीके से हाथ धोने से डायरिया, हैजा, टाइफाइड और सर्दी-खांसी जैसी बीमारियों से बचाव संभव है। उन्होंने कहा कि "स्वच्छ हाथ स्वस्थ जीवन की पहली शर्त हैं। बच्चों को यह आदत बचपन से डालनी चाहिए ताकि वे स्वयं स्वस्थ रहें और अपने परिवार को भी सुरक्षित रख सकें।" इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक नंद बिहारी चौधरी, जफीर अहमद, विनय कुमार, चंदा कुमारी, जूही कुमारी, कृति कुमारी सहित ग्राम आपदा प्रबंधन समिति के सदस्य सिकंदर सहनी उपस्थित थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चे और शिक्षक शामिल हुए। बच्चों में अंजली कुमारी, श्वेता कुमारी, गोल्डी, शिवानी, ममता, नंदनी, रौशनी कुमारी, आफरीन खातून, सपना, सबैया खातून, गुलशन कुमार, पवन, पिंटू, समीर, अजीत और अंशु कुमारी सहित दर्जनों विद्यार्थियों ने हाथ धुलाई प्रदर्शन में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय प्रबंधन और स्थानीय लोगों ने बाल रक्षा भारत की इस पहल की सराहना की और कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों में स्वच्छता के प्रति व्यवहारिक बदलाव देखने को मिल रहे हैं।

## मेहसी नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी और टैक्स दारोगा रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

**बीएनएम @ मोतिहारी**

निगरानी विभाग की टीम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए मेहसी नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी उदय कृष्ण यादव और टैक्स दारोगा गुलशन कुमार को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, दोनों अधिकारी सड़क निर्माण कार्य के भुगतान के नाम पर रिश्वत मांग रहे थे। इस मामले में नगर पंचायत क्षेत्र के मनोज कुमार नामक व्यक्ति ने निगरानी विभाग में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत की पुष्टि के बाद निगरानी विभाग की टीम ने पुलिस उपाधीक्षक (निगरानी) सदानंद कुमार के नेतृत्व में चकिया स्थित कार्यपालक पदाधिकारी के डेरा पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान दोनों अधिकारियों को रिश्वत की राशि लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। निगरानी विभाग के अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह पाया गया कि नगर पंचायत में आरसीसी सड़क निर्माण कार्य के भुगतान के एवज में दोनों अधिकारी घूस मांगने का दबाव बना रहे थे। फिलहाल दोनों आरोपित अधिकारियों को हिरासत में लेकर आगे की पूछताछ की जा रही है।

## मॉक पोल ट्रेनिंग का प्रथम स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

**बीएनएम @ मोतिहारी**

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन-2025 के सफल क्रियान्वयन हेतु जिला प्रशासन पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के अंतर्गत प्रशिक्षण प्रबंधन कोषांग पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के द्वारा प्रथम स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत आयोजित पीठासीन अधिकारी, मतदान पदाधिकारी प्रथम के लिए मॉक पोल ट्रेनिंग हेतु सीएस डीएभी पब्लिक स्कूल, बनकट, मोतिहारी के कैंपस में आयोजित किया गया। जिसमें मतदान दल के कर्मियों का 100-100 मॉक पोल कराया गया। वीवी पैट से पर्ची का मिलान कराया गया साथ ही निर्वाचन के विभिन्न बिंदुओं से अवगत कराते हुए उन्हें आगामी विधानसभा आम निर्वाचन 2025 हेतु पूर्ण रूपेण तैयार करने के लिए जिले के कुशल एवं योग्य मास्टर ट्रेनरों के माध्यम से इस प्रथम स्तरीय प्रशिक्षण का समापन किया गया। जिसमें मतदान दल कर्मियों के विभिन्न प्रश्नों का उत्तर भी दिया गया। मतदान से जुड़ी हुई बारीकियां की जानकारी दी गई तथा उनके प्रशिक्षण गुणवत्ता पूर्ण एवं प्रभावशाली हो इसके लिए जिले के प्रशिक्षण कोषांग के वरीय पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता शैलेंद्र भारती एवं नोडल पदाधिकारी राम जन्म पासवान जिला पंचायती राज पदाधिकारी के साथ-साथ प्रशिक्षण प्रबंधन कोषांग के नोडल अधिकारी सह जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी मौजूद रहे। प्रशिक्षण के अंतिम दिन जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी के आदेशानुसार जिले के अनुपस्थित मतदान कर्मियों के प्रथम स्तरीय प्रशिक्षण का एक अंतिम मौका 17/10/2025 को दिया जा रहा है। जानबूझ कर अनुपस्थित रहने पर उन कर्मियों के विरुद्ध कठोरतम अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। द्वितीय स्तरीय प्रशिक्षण सत्र 30/10/25 से आरंभ होगा। इस संबंध में सूचना जारी की जा चुकी है। मौके पर वरीय मास्टर ट्रेनर नागेंद्र प्रसाद, रमेश कुमार, कमलेश कुमार सिंह शैलेंद्र कुमार मिश्रा, रूमित रौशन सहित सभी मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

## चम्पारण मे बिहार के चौथा मेडिकल कॉलेज को एनएमसी ने दी मंजूरी

**बीएनएम @ मोतिहारी**

विराट रामायण इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज कॉलेज और हॉस्पिटल को राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) भारत सरकार द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025- 26 में एमबीबीएस कोर्स हेतु मान्यता प्राप्त हुई है। शिक्षाविद अलोक शर्मा के प्रयासों और उनके द्वारा प्रस्तुत स्टेट ऑफ आर्ट फेसिलिटीज वाली इस मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति बहुत अल्प समय के भीतर मिल जाने से पुरे उत्तर बिहार मे हर्ष का माहौल है. यह उपलब्धि सिर्फ चंपारण, संस्थान की नहीं उत्तर बिहार (तिरहुत प्रमंडल) के लिए गर्व का विषय है। विराट रामायण इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज कॉलेज एंड हॉस्पिटल प्रख्यात चिकित्सकों और अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त एक प्रमुख मेडिकल संस्थान है, जिसमें मरीजों को उच्च स्तरीय उपचार और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण मेडिकल शिक्षा प्रदान करती है। संस्थान में प्रख्यात विशेषज्ञ प्रोफेसर, अनुभवी डॉक्टर्स की टीम है। आधुनिक तकनीकी से सुसज्जित आधारित संरचना( Infrastructure) है जो छात्रों और मरीजों को आकर्षित कर रहा है। अब 2025 NEET नीट परीक्षा में क्वालीफाई छात्रों और छात्राएं आसानी से एमबीबीएस कोर्स हेतु संस्थान में प्रवेश करेंगे। संस्थान कुशल अभ्यर्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु तैयार (बचनबद्ध) है। इस खुशी के अवसर पर संस्थान के चेयरमैन श्री आलोक शर्मा जी ने कहां की मैं माता पिता के आशीर्वाद से एसएनएस विद्यापीठ संस्थान के माध्यम से उच्चतर शिक्षा उपलब्ध कराने का प्रयास 20 वर्षों से करते रहा है। मेडिकल कॉलेज को एन एम सी (भारत सरकार )द्वारा मान्यता मिलना सम्मान का विषय है। इस जिम्मेदारी का निर्वाहन सदैव बेहतर तरीके से करने का प्रयास करूंगा। वर्तमान मे इस मेडिकल कॉलेज को 50 सीटों पर एमबी बीएस छात्रों छात्राओं के नामांकन की अनुमति मिली है.

## इंडो–नेपाल बॉर्डर कॉर्डिनेशन कमिटी की उच्च स्तरीय बैठक संपन्न

**बीएनएम @ मोतिहारी**

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन- 2025 को स्वच्छ वातावरण में सम्पन्न कराने को लेकर सीमा पार की चुनौतियों से निपटने के लिए आपसी सहयोग एवं समन्वय के उद्देश्य से इन्टीग्रेटेड चेक पोस्ट रक्सौल के हॉल मे इंडो-नेपाल वार्डर कॉर्डिनेशन कमिटि की उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक नेपाली सीमावर्ती जिले के शिष्टमण्डल, पुलिस उप महानिरीक्षक चंपारण रेंज, पूर्वी चम्पारण एवं पश्चिम चम्पारण डीएम-एसपी तथा बगहा के एसपी शामिल हुए। उक्त बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारी गण का सर्वप्रथम जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा स्वागत किया गया। बैठक के दौरान मुख्य रूप से बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर चर्चा की गई। बैठक के दौरान भारत नेपाल सीमा को सुदृढ़ बनाने, सीमा क्षेत्र पर बिहार में लागू शराब बंदी के नियमों का अनुपालन कराने, सीमा क्षेत्र के आसपास के इलाकों में विधि व्यवस्था दोनों तरफ से पूर्ण रूप से चौकस रखने, आसूचनाओं का आदान-प्रदान करने, केमिकल ड्रग्स, क्रिमिनल एक्टिविटी, स्मगलिंग एवं अवैध सामग्रियों के आवाजाही को प्रतिबंधित करने पर दोनों तरफ से सहमति जताई गई। भारत नेपाल की खुली सीमा को देखते हुए सभी संवेदनशील रास्तों पर कड़ी नजर रखने को लेकर दोनों देशों के पुलिस अधिकारियों को इस पर लगातार नजर बनाए रखने, सीमा पर शांति सुरक्षा एवं घुसपैठ पर रोक लगाने, जाली करंसी, अवैध असलहा पर कड़ाई से रोक लगाने आदि विषयों पर आधिकारिक रूप से चर्चा की गई। इस दौरान दोनों देशों के अधिकारियों ने सीमा पर एसएसबी तथा पुलिस के साथ-साथ नेपाल पुलिस की संयुक्त रूप से गश्ती बढ़ाने पर जोर दिया गया। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्दे नजर दोनों देश के बॉर्डर पर सघन चौकसी बरतने पर सहमति तथा सामंजस्य के साथ-साथ पहल करने का निर्णय लिया गया। इस प्रकार दोनों देशों के बीच आज की बैठक सभी मुद्दों पर आम सहमति के साथ सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक के दौरान नेपाल की तरफ से सीडीओ परसा एवं बारा जिला, पश्चिमी चंपारण के जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक तथा बगहा के पुलिस अधीक्षक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

## पलनवा पुलिस की कार्रवाई: 3 वारंटी और 5 पियकड़ गिरफ्तार, भेजे गए जेल

**बीएनएम @ रामगढ़वा**

पलनवा थाना पुलिस ने बुधवार को विशेष अभियान चलाकर कुल आठ लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इनमें पांच शराब पीने वाले और तीन वारंटी शामिल हैं। थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से छापेमारी कर अजय कुमार यादव, मनदीप पटेल, विश्वनाथ साह, सोनालाल पटेल और विकास कुमार को शराब सेवन करते पकड़ा गया। वहीं लंबित वारंटों के आधार पर धर्मेश राम, अखलेश राम और गणेश राम को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष ने कहा कि थाना क्षेत्र में लगातार कार्रवाई जारी है और शराब तस्करों के साथ-साथ शराब पीने वालों को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से अवैध शराब कारोबार और सेवन करने वालों में हड़कंप है।

## आयुष्मान आरोग्य मंदिर बैधनाथपुर चिरैया में हेल्थ मेगा कैंप का आयोजन किया गया

- कैंसर सहित कई संभावित रोगों की हुई जांच
- नाईट ब्लड सर्वे में लोगों को जागरूक करने में सहयोग करेंगे रोगी हित धारक मंच के सदस्य

**बीएनएम @ मोतिहारी**

आयुष्मान आरोग्य मंदिर बैधनाथपुर चिरैया प्रखंड में हेल्थ मेगा कैंप का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले से आए डॉ. ह्रितिका कश्यप, सीएचओ रानी कुमारी चौरसिया, नर्सिंग स्टॉफ दीपक कुमार के द्वारा रोगी हितधारक मंच के सदस्यों के साथ आयुष्मान आरोग्य मंदिर में उपस्थित लोगों की निःशुल्क कैंसर की जाँच की गई। मौके पर ह्रितिका कश्यप ने बताया की लोगों के अत्यधिक धूम्रपान करने की आदत एवं दिनचर्या की गड़बड़ी के कारण आजकल लोगों में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी देखने को मिल रही है जिसका समय पर जाँच व ईलाज होने से गंभीर रोगों से बचा जा सकता है। वहीं रानी कुमारी चौरसिया ने बताया की आज स्वास्थ्य केंद्र पर मरीजों की बीपी, शुगर,हीमोग्लोबिन,आदि की जांच कर दवा दी गईं। साथ ही लोगों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर सह हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर पर आगामी नाईट ब्लड सर्वे में सहयोग हेतु जागरूकता फैलाने की बात की गईं। वहीं हाथी पाँव (फाईलेरिया), डेंगु, मलेरिया और कालाजार बीमारी से बचाव, स्वच्छता के बारे में एवं सोते समय मच्छरदानी के उपयोग करने के बारे में बताया गया। उन्होंने बताया की हाईड्रोसील फाइलेरिया के दो मरीज की पहचान भी की गईं है। मौके पर कई लोग उपस्थित थे।

## महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में "नृविज्ञान पद्धतियाँ: स्वास्थ्य एवं कल्याण" विषय पर कार्यशाला संपन्न

**बीएनएम @ मोतिहारी**

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग ने प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सहयोग से 14–15 अक्टूबर 2025 को "नृविज्ञान पद्धतियाँ: स्वास्थ्य एवं कल्याण" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। इसका उद्देश्य छात्रों और शोधार्थियों को स्वास्थ्य एवं कल्याण के सामाजिक-सांस्कृतिक आयामों से जोड़ना था। कार्यशाला की शुरुआत शोधार्थी निखिल पांडेय के स्वागत भाषण से हुई। मुख्य वक्ता के रूप में क्वीन्स यूनिवर्सिटी, बेलफास्ट (यूके) के डॉ. टॉम मार्शल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव (ऑनलाइन), चीफ प्रॉक्टर प्रो. प्रसून दत्त सिंह और समाज विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुजीत कुमार चौधरी मौजूद रहे। अतिथियों का स्वागत मधुबनी कला से सजे स्मृति-चिह्न और अंगवस्त्र देकर किया गया। प्रो. चौधरी ने कहा कि "मानसिक दृढ़ता ही वास्तविक स्वास्थ्य की पहचान है।" प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने भारतीय परंपरा में शरीर, मन और आत्मा के समन्वय को रेखांकित किया। कुलपति ने अपने संदेश में कहा कि ऐसे कार्यक्रम केवल अकादमिक अभ्यास नहीं बल्कि उपचार और संवाद के मंच हैं। यह आयोजन यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय की मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पहल के अनुरूप बताया गया। पहले दिन डॉ. मार्शल ने "Spatiality and Temporality of Well-Being" विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने महामारी के दौरान बदलते सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश और उसके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पर प्रकाश डाला। दूसरे दिन प्रतिभागियों ने एथ्नोग्राफिक पद्धतियों पर व्यावहारिक अभ्यास किया। छात्रों ने अपने अनुभव चित्र, लेखन और रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से साझा किए। समापन सत्र में समन्वयक डॉ. स्वेता ने कहा कि "नृविज्ञान सिखाता है कि स्वास्थ्य केवल चिकित्सीय श्रेणी नहीं, बल्कि जीवन का अनुभव है।" उन्होंने कुलपति, प्रॉक्टर, अधिष्ठाता, सहयोगी शिक्षकों और छात्र टीम का आभार जताया। कार्यशाला का समापन ओपन रिफ्लेक्शन सत्र से हुआ, जिसमें छात्रों ने इसे एक आत्मसजग और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण विकसित करने वाला अनुभव बताया।

## संक्षिप्त समाचार

### आपसी विवाद में चार घायल

**बीएनएम @ जमुई/झाझा।** थाना क्षेत्र के परासी गांव में बुधवार की सुबह 9 बजे आपसी विवाद में छोटे भाई और उसकी पत्नी ने बड़े भाई, भाभी व दो भतीजों पर हमला कर दिया, जिसमें चार लोग घायल हो गए। घायलों में मोहन दास, उनकी पत्नी बिलखी देवी व पुत्र राजेंद्र और सुरेंद्र शामिल हैं। सभी को पुलिस ने इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झाझा भेजा। घायल मोहन दास ने बताया कि उसके भाई धनेश्वर दास के बेटे ने रसोई के पास पेशाब किया, मना करने पर धनेश्वर और उसकी पत्नी गुड़िया देवी ने ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

### चोरी की प्राथमिकी दर्ज

**बीएनएम @जमुई/झाझा।** थानाक्षेत्र के रानीकुरा गांव में एक घर में चोरी की हुई घटना को लेकर घर की मालकिन ने थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाते हुए गांव के दो लड़कों पर शक जाहिर किया है। दर्ज आवेदन में तेमुनियां खातून ने बताई की 13 अक्टूबर को घर मे ताला बन्द करके रिश्तेदार के घर गई थी और जब दूसरे दिन अपने घर पहुंची तो घर का ताला खुला हुआ था। जब कमरे में गई तो बक्सा टूटा हुआ था उसमें रखे सोना, चांदी, 15 हजार रुपए भी गायब है। महिला ने गांव के असलम अंसारी और मजोद पर शक जाहिर कर आगे आआवेदन में बताई की उनदोनो जमीन विवाद को लेकर हमेशा मेरे घर पर आकर बर्बाद एवं जान मारने की धमकी देता था। उक्त दोनों नामजद मेरे घर का चक्कर दो दिन से लगा रहा था।

### शराब जब्त

**बीएनएम @ जमुई/झाझा।** अवैध शराब और कारोबारी के खिलाफ पुलिस द्वारा क्षेत्र में सख्ती से चलाए जा रहे छापेमारी में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक गैलन में रखे 30 लीटर देशी शराब जब्त किया। इस संदर्भ में सिंचाई प्रमंडल विभाग के कनीय अभियंता व चुनाव को लेकर एसएसटी दल के दंडाधिकारी के रूप में नियुक्त रोहित यादव ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज आवेदन में उन्होंने बताया कि एएलटीएफ 2 के पर प्रभारी संतोष कुमार सिन्हा तथा एएसआई मुकेश सिंह के साथ भ्रमणशील के दौरान सूचना प्राप्त हुआ कि कटहरा नदी धमना के पास अज्ञात व्यक्ति झाड़ियों में छिपकर अवैध रूप से देशी शराब का निर्माण व बिक्री कर रहा है जिसके बाद उक्त स्थल पर छापेमारी की गई और तलाशी लेने पर एक बड़ा गैलन में रखे 30 लीटर देशी शराब बरामद हुआ। तथा मौके पर जब्त 225 किलो फुला हुआ जाबा महुआ को विनष्ट कर दो भट्टी को भी ध्वस्त किया गया। थाना में अज्ञात शराब कारोबारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस मामले को लेकर कार्रवाई करने में जुटी हुई है।

### रेलवे लाइन किनारे मिला अज्ञात युवक का शव

**बीएनएम @ जमुई/झाझा।** रजला मुख्य रेलखंड के दुद्धीजोर पुल के पास सतीघाट के निकट बुधवार एक युवक (उम्र करीब 25 वर्ष) का शव रेलवे लाइन किनारे मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने शव देखकर तत्काल झाझा पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुनि दीपक कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल जमुई भेज दिया गया। पुलिस ने आसपास के गांवों में संपर्क साधकर मृतक की पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन अब तक शिनाख्त नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक की मौत संभवतः चलती ट्रेन से गिरने के कारण हुई होगी।

### ढिबा गांव के पास दो ट्रक की आमने सामने टक्कर

**बीएनएम @ जमुई/झाझा।** बीती रात्रि में झाझा थानाक्षेत्र के एनएच 333 ढिबा गांव के पास दो ट्रक की आमने सामने टक्कर हो गई। जिसके कारण मुख्य सड़क जाम हो गया। वही घटना की जानकारी झाझा पुलिस को मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंचकर फंसे ट्रक को जेसीबी से हटाया और एक ट्रक में फंसे चालक को बाहर निकाल कर सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया। घायल चालक की पहचान पटना फतुहा के रहने वाले संजीव कुमार के रूप में हुई जिसे डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल जमुई भेज दिया। वही पुलिस मामले की जांच करने में जुटी है।

### बिहार चुनाव 2025: अमित शाह से मुलाकात के बाद बदले उपेंद्र कुशवाहा के सुर

**बीएनएम @नई दिल्ली/पटना:** बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए एनडीए में सीट बंटवारे के बाद सहयोगी दलों के बीच खींचतान खुलकर सामने आ गई है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमा) प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा महुआ और दिनारा सीट एनडीए के अन्य घटकों को दिए जाने से नाराज हो गए थे। सूत्रों के मुताबिक, कुशवाहा अपने बेटे दीपक कुशवाहा को महुआ और आलोक सिंह को दिनारा से उम्मीदवार बनाना चाहते थे, लेकिन महुआ सीट लोजपा (रामविलास) और दिनारा सीट जदयू के खाते में चली गई। इस फैसले के बाद कुशवाहा ने एनडीए उम्मीदवारों के नामांकन कार्यक्रम से दूरी बना ली और मीडिया से कहा, "एनडीए में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा।" उनके इस बयान के बाद गठबंधन में हलचल मच गई। स्थिति संभालने के लिए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय सक्रिय हुए और देर रात दिल्ली में कुशवाहा से मुलाकात की।इसके बाद कुशवाहा की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से करीब दो घंटे लंबी बैठक हुई। बैठक के बाद कुशवाहा के तेवर नरम पड़े और उन्होंने कहा, "एनडीए में सब ठीक है, मतभेद सुलझा लिए गए हैं।" हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि महुआ और दिनारा सीटों पर क्या सहमति बनी है।राजनीतिक जानकारों के अनुसार, बिहार की राजनीति में कुशवाहा समाज का मजबूत प्रभाव है और भाजपा इस फैक्टर को नजरअंदाज नहीं कर सकती। अमित शाह की पहल के बाद एनडीए ने एक संभावित राजनीतिक संकट टाल दिया है, लेकिन अब सबकी निगाहें रालोमा की आगामी प्रेस कॉन्फ्रेंस पर टिकी हैं, जहां सीटों को लेकर स्थिति पूरी तरह साफ होगी।

### दरभंगा में नामांकन सह आशीर्वाद यात्रा: जनता का जोश और स्नेह देखकर अभिभूत हुए नेता

**बीएनएम @ दरभंगा:** बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नामांकन दौर के बीच एनडीए के वरिष्ठ नेता संजय सरावगी ने दरभंगा में नामांकन सह आशीर्वाद यात्रा शुरू की। जनता के जबरदस्त स्नेह और उत्साह को देखकर नेता खुद अभिभूत नजर आए।यात्रा की शुरुआत मनोकामना मंदिर से हुई, जहां से आशीर्वाद लेकर सरावगी ने समर्थकों के साथ नगर भ्रमण शुरू किया। मार्ग में हजारों लोग उमड़ पड़े, जिन्होंने झंडे, पोस्टर और नारेबाजी के साथ स्वागत किया। कई जगहों पर नेता ने भीड़ में उतरकर हाथ मिलाए और समर्थकों से चुनावी समर्थन की अपील की।सरावगी ने जनता को संबोधित करते हुए कहा, की दरभंगा के दिल की यही पुकार है — फिर एक बार, एनडीए सरकार!"यात्रा में उन्होंने +2 मारवाड़ी उच्च विद्यालय, शिवाजीनगर से भी जनसभा को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने बीजेपी के आला कमान और जनता का धन्यवाद किया। समर्थकों ने अपने जोश और उत्साह का प्रदर्शन करते हुए नारे लगाकर उन्हें अभिभूत कर दिया।विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की रोडशो और आशीर्वाद यात्राएं उम्मीदवार की साख और जनता के विश्वास को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाती हैं। दरभंगा की जनता के जोश और उत्साह को देखकर यह साफ है कि आगामी चुनाव में एनडीए को मजबूत जनसमर्थन मिलने की संभावना है।साथ ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार में वर्चुअल संवाद 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' के जरिए कार्यकर्ताओं को चुनावी ऊर्जा देने वाले हैं। बीजेपी कार्यकर्ताओं में यह यात्रा और पीएम संवाद दोनों ही उत्साह और चुनावी तैयारी को नया प्रोत्साहन देंगे।

## तेजस्वी यादव ने राघोपुर से दाखिल किया नामांकन, नीतीश पर साधा निशाना

# संजय-विजय और ललन सिंह ने जदयू को बर्बाद कर दिया : तेजस्वी

**बीएनएम @ पटना / राघोपुर**

नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख तेजस्वी यादव ने आज राघोपुर विधानसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर उनके साथ उनके पिता और RJD सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, मां एवं पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, और बहन मीसा भारती भी मौजूद रहीं। नामांकन से पहले तेजस्वी ने भव्य रोड शो किया, जिसमें भारी संख्या में समर्थक शामिल हुए। रास्ते में फूल-मालाओं और नारेबाजी के साथ उनका जोरदार स्वागत किया गया।नामांकन के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि राघोपुर की जनता ने उन्हें दो बार विश्वास दिया है और इस बार भी वे अपना भरोसा बनाए रखेंगे। उन्होंने एक बार फिर 'हर घर नौकरी' का वादा दोहराया और कहा कि उनका लक्ष्य युवाओं के लिए रोजगार सुनिश्चित करना है।तेजस्वी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जदयू पर भी तीखा हमला किया। उन्होंने कहा, "बिहार की जनता अब बदलाव चाहती है। डबल इंजन की सरकार में एक इंजन भ्रष्टाचार और दूसरा अपराध में शामिल है। अब जदयू को नीतीश नहीं, बल्कि ललन सिंह, विजय चौधरी और संजय झा चला रहे हैं। इन तीनों ने पार्टी को बर्बाद कर दिया। जनता अब इनसे बदला लेने को तैयार है।"तेजस्वी ने विकास और निवेश पर जोर देते हुए कहा की गुजरात में फैक्ट्री लगती है, बिहार में विजूटी चाहिए। अब लोग तेजी से विकास चाहते हैं और हम इसे सुनिश्चित करेंगे।"राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, तेजस्वी का यह रोड शो और बयान RJD की चुनावी रणनीति का हिस्सा है, जिसमें वे युवाओं और बेरोजगारों के बीच सीधे संपर्क स्थापित करके महागठबंधन की पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। उनका जोर बदलाव और विकास पर है, जो बिहार की चुनावी बहस में प्रमुख मुद्दा बन सकता है।बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में तेजस्वी यादव की राघोपुर में साख और उनका प्रत्यक्ष जनता से संवाद, RJD के लिए मतदान प्रभावित करने वाला अहम कारक माना जा रहा है।

नामांकन दाखिल करे तेजस्वी यादव

### 42 लीटर शराब के साथ दो कारोबारी गिरफ्तार

**बीएनएम @ बेतिया**

श्रीनगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सोमवार को सिंघीघाट क्षेत्र में छापेमारी कर 42 लीटर अवैध शराब के साथ दो धंधेबाजों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस दौरान तस्करी में प्रयुक्त एक बाइक भी जब्त की गई। थानाध्यक्ष अमित कुमार पाल ने बताया कि सूचना मिली थी कि गंडक दियारा से अवैध शराब की एक बड़ी खेप बाइक के माध्यम से सिंघीघाट लाई जा रही है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम गठित कर इलाके में घेराबंदी की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस को देखते ही आरोपी भागने लगे, लेकिन टीम ने उन्हें मौके पर ही दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सूर्यपुर के मसान ढाब निवासी हरी चंद्र कुमार और अन्य के रूप में की गई है। दोनों से पूछताछ के बाद पुलिस ने उत्पाद एवं मद्य निषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।पुलिस के इस अभियान से क्षेत्र में अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे तत्वों के विरुद्ध सघन अभियान आगे भी जारी रहेगा।

# यूपी से लाई जा रही अंग्रेजी शराब बरामद,ट्रक चालक फरार

**बीएनएम @बगहा**

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उत्पाद धनहा थाना पुलिस और उत्पाद विभाग की टीम ने संयुक्त रुप से अभियान चला कर बुधवार को भारी मात्रा में शराब की एक बड़ी खेप को बरामद किया है। बगहा उत्पाद विभाग एवं धनहा थाना की पुलिस टीम ने बुधवार की सुबह यूपी के तरफ से ट्रक में छुपाकर लाई जा रही शराब की बड़ी खेप को धनहा चौक से जब्त किया है। जबकि ट्रक चालक पुलिस टीम को देख भागने में सफल रहा। उत्पाद विभाग की टीम को पहले से ही गुप्त सूचना मिली थी कि यूपी के तरफ से शराब से भरी ट्रक धनहा गौतम बुद्ध सेतु पुल के रास्ते जाने वाला है। शराब की खेत को पकड़ने की फिराक में बगहा उत्पाद विभाग के इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार एवं पुलिस इन्स्पेक्टर सह धनहा थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने पुलिस बल के साथ बिहार यूपी की सीमा बांसी पहुंचे। लेकिन जब काफी देर तक शराब की खेत यूपी बिहार की सीमा को पार नहीं किया तो पुलिस टीम ने शराब से लदी ट्रक को खोजते हुए धनहा के तरफ चल दिए। इसी दौरान धनहा चौक के समीप एक अज्ञात ट्रक खड़ा था।।जिसे देख पुलिस टीम को शक हुआ। जांच किया गया तो ट्रक पर भारी मात्रा में शराब लदी हुई थी। वही शराब को फर्नीचर से ढक दिया गया था। लेकिन ट्रक चालक पुलिस को देख पहले ही ट्रक छोड़ फरार हो गया था। बगहा उत्पाद विभाग के इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार एवं धनहा थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि भारी मात्रा में शराब की खेप को पकड़ा गया है। अभी गिनती नहीं की गई है हालांकि ट्रक चालक एवं शराब तस्करों की तलाश जारी है। थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि शराब एवं शराब तस्करों के विरुद्ध बिहार यूपी की सभी सीमाओं पर लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

ट्रक को जांच करती पुलिस

# जब न्याय मौन हो जाती है, तब लाश बोलती है: डॉ. गौरी शंकर

**बीएनएम @ जमुई**

भारत का विकसित राज्य हरियाणा के सीनियर आईपीएस अधिकारी वाई पूरण कुमार की आत्महत्या 7 अक्टूबर 2025 दिन मंगलवार को हुई थी। पूरण कुमार के खुदकुशी के 7 दिन हो चुके हैं। उनका शव अभी तक मुर्दा घर में न्याय की प्रतीक्षा में पड़ा है कि ठीक सातवें रोज 14 अक्टूबर दिन मंगलवार को ही एक एसएआई ने अपने सर्विस रिवॉल्वर से आत्महत्या कर ली। इतना ही नहीं बिहार के राजगीर थाना के एएसआई सुमन तिर्की एवं कहलगांव एनटीपीसी के सीआईएसएफ जवान दीपक कुमार राही की भी आत्महत्या की खबर सुर्खियों में है। देश के हरियाणा राज्य के दो बिहार के दो पुलिस अधिकारी व जवान की खुदकुशी पर केकेएम कॉलेज के सहायक प्राचार्य डॉ. गौरी शंकर पासवान ने संवेदना व दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय संविधान किसी को आत्महत्या करने की इजाजत नहीं देता है। सभी को गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार है। जब कोई अधिकारी वर्दी में न्याय की उम्मीद खो देता है, तब समझिए कि सिस्टम में संवेदना मर चुकी है। जब न्याय की कुर्सी से ही न्याय का गला घोता जाता है, तब संविधान की आत्मा चीख उठती है कि मेरा रक्षक कौन है ? कहते हैं कि 'जब न्याय मौन हो जाती है, तब सिर्फ लाश बोलती है.' यानी जब सत्ता, प्रशासन व सिस्टम अन्याय के खिलाफ नहीं बोलते, तब पीड़ित व्यक्ति की मृत्यु या लाश खुद एक प्रश्न बनकर बोलने लगती है। मतलब लाश समाज तथा आने वाली पीढ़ियों से सवाल करती है कि क्या न्याय सिर्फ जिंदा लोगों के लिए है ? उन्होंने कहा कि मृत्यु के बाद भी हरियाणा के मुर्दाघर में वाई पूरण कुमार के परिवार को इंसाफ नहीं मिले, तो वह मौत नहीं, सिस्टम की विफलता है। दो पुलिस अधिकारी आईपीएस और एएसआई की मौत ने सिस्टम की पोल खोल दी है। अधिकारी की मौत से बड़ा अपराध सिस्टम और समाज का मौन रहना है। कहते हैं कि जब जिंदा लोग खामोश हो जाएं तब लाश से भी आवाज उठती है।

डॉ. गौरी शंकर पासवान

# हत्या मामले में बीएनएस कानून के तहत अभियुक्त दोषी करार

**तीन माह में पूरी हुई सुनवाई**

**बीएनएम @बगहा**

बगहा पुलिस जिले में लागू भारतीय न्याय संहिता (बी.एन.एस.) के तहत हत्या के एक मामले में पहली बार अभियुक्त को दोषी करार दिया गया है। यह मामला जिले में बी.एन.एस. कानून के तहत पहला स्पीडी ट्रायल रहा, जिसकी पूरी प्रक्रिया मात्र तीन माह में पूरी की गई।धनहा थाना कांड संख्या 215/2024 से संबंधित है। जानकारी के अनुसार, 11 अक्टूबर 2024 को धनहा थाना क्षेत्र के निवासी अमित पटेल ने पारिवारिक विवाद के दौरान अपनी पत्नी सरिता देवी की चाकू गोदकर हत्या कर दी थी। घटना के बाद 12 अक्टूबर 2024 को मृतका के पिता रामदरश पटेल ने धनहा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई।पुलिस ने जांच में तत्परता दिखाते हुए 8 जनवरी 2025 को अमित पटेल के विरुद्ध धारा 103(1) बी.एन.एस. के अंतर्गत आरोप पत्र न्यायालय में समर्पित किया। अभियुक्त के घर से हत्या में प्रयुक्त खून से सना चाकू बरामद किया गया था। अभियुक्त 13 अक्टूबर 2025 से जेल में निरुद्ध है।मामले की सुनवाई जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-चतुर्थ मानवेन्द्र मिश्र की अदालत में सत्र वाद संख्या 373/2025 के रूप में हुई। न्यायालय ने 14 जुलाई 2025 को आरोप गठन किया और 14 अक्टूबर 2025 को फैसला सुनाया। सजा का निर्धारण 16 अक्टूबर 2025 को किया जाएगा।अपर लोक अभियोजक मन्नू राव ने बताया कि इस मुकदमे में कुल छह गवाह पेश हुए, जिनमें मृतका के पिता रामदरश पटेल, अनुसंधानकर्ता धर्मवीर कुमार भारती, चिकित्सक अशोक कुमार तिवारी, तथा मृतका का नौ वर्षीय पुत्र आयुष पटेल शामिल हैं।बचपन में अपनी मां की हत्या देखने वाले आयुष ने अदालत में साक्ष्य देते हुए कहा कि "पापा ने मम्मी को मार दिया।" यह बयान मुकदमे में सबसे महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हुआ। न्यायालय ने सभी साक्ष्यों, रिपोर्टों और गवाहियों के आधार पर अभियुक्त अमित पटेल को दोषी करार दिया। यह मामला जिले में बी.एन.एस. कानून के तहत पहली हत्या में दोषसिद्धि का है, जिसने तीन माह में पूरी हुई सुनवाई के साथ न्यायिक प्रणाली में तेजी और पारदर्शिता का उदाहरण पेश किया है।

# तेजस्वी से नहीं भिड़ेंगे प्रशांत किशोर, राघोपुर से चंचल सिंह मैदान में

**बीएनएम @ पटना**

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर (पीके) ने एक बड़ा फैसला लिया है। लंबे समय से चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए उन्होंने साफ कर दिया कि वे इस बार चुनाव नहीं लड़ेंगे। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा थी कि पीके राघोपुर से तेजस्वी यादव के खिलाफ ताल ठोक सकते हैं, लेकिन रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने स्पष्ट कहा—"मैं इस बार मैदान में नहीं रहूंगा।"प्रशांत किशोर ने अपने फैसले के पीछे पार्टी के "व्यापक हित" का तर्क दिया। उन्होंने कहा, "अगर मैं चुनाव लड़ता तो संगठन और रणनीति से ध्यान भटक जाता। जन सुराज आंदोलन किसी एक व्यक्ति की जीत के लिए नहीं, बल्कि बिहार में नई राजनीतिक संस्कृति की स्थापना के लिए है।" उन्होंने यह भी जोड़ा कि वे पार्टी के संगठन विस्तार और चुनावी रणनीति पर पूरी ताकत से काम करेंगे।इस बीच जन सुराज पार्टी ने अपने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की है। इसमें राघोपुर सीट से चंचल सिंह को उम्मीदवार बनाया गया है। यह कदम साफ संकेत देता है कि पार्टी नई पीढ़ी के स्थानीय नेताओं को आगे लाने की कोशिश कर रही है।राघोपुर सीट, जो तेजस्वी यादव का गढ़ मानी जाती है, एक बार फिर सुर्खियों में है। जन सुराज का यह फैसला बताता है कि वह सीधे टकराव की राजनीति के बजाय वैकल्पिक और मुद्दा-आधारित राजनीति पर भरोसा कर रही है।

# बिहार विधानसभा चुनाव : 'आप' ने जारी की दूसरी सूची, 48 नए चेहरे मैदान में उतरे

**बीएनएम @ पटना**

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर आम आदमी पार्टी (AAP) ने अपनी चुनावी तैयारी को और मजबूत करते हुए उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। इस सूची में कुल 48 नए प्रत्याशियों को टिकट दिया गया है। इससे पहले 6 अक्टूबर को पार्टी ने अपनी पहली सूची में 11 उम्मीदवारों की घोषणा की थी। इस प्रकार अब तक कुल 59 उम्मीदवारों को मैदान में उतारने की घोषणा हो चुकी है।आप ने इस बार स्पष्ट किया है कि उसका चुनावी एजेंडा पारंपरिक राजनीति से अलग होगा। पार्टी का फोकस ईमानदारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों पर रहेगा। पार्टी नेताओं का कहना है कि बिहार में वही बदलाव लाना है जो दिल्ली में शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में लाया गया।

**उम्मीदवार चयन में पारदर्शिता-** आप के प्रदेश प्रभारी अजेश यादव ने बताया कि उम्मीदवारों का चयन पूरी पारदर्शिता और स्पष्ट मानदंड के आधार पर किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रत्याशियों को उनकी सामाजिक सक्रियता, जनसमर्थन और बेदाग छवि को देखते हुए चुना गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस बार बिहार की जनता जाति और धर्म से ऊपर उठकर विकास और जनसेवा की राजनीति को अपनाएगी।विश्लेषकों के अनुसार, AAP की इस नई सूची से पार्टी को बिहार विधानसभा चुनाव में एक नया राजनीतिक चेहरा देने का प्रयास मिलेगा। नए उम्मीदवारों की सक्रियता और जनता के बीच उनकी स्वीकार्यता चुनावी परिणामों पर असर डाल सकती है।अब बिहार के मतदाता यह तय करेंगे कि क्या आप का बदलाव का संदेश उन्हें आकर्षित कर पाएगा और क्या दिल्ली में लागू मॉडल का असर बिहार में भी दिखेगा। आने वाले दिनों में पार्टी के रोड शो और रैलियों के जरिए अपने उम्मीदवारों को जनता के सामने पेश करने की योजना है।

# 'तो नहीं लड़ाऊंगा अपनी पत्नी को चुनाव': खेसारी लाल यादव

**पटना पहुंचे पर बताया अपना फैसला, तेजस्वी से हुई मुलाकात**

**बीएनएम @ पटना**

भोजपुरी स्टार और राजनीतिक चेहरे खेसारी लाल यादव ने बुधवार को पटना पहुंचकर चुनाव संबन्धी अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी। उन्होंने कहा कि वे स्वयं चुनाव नहीं लड़ रहे हैं और भविष्य में भी कोशिश यही रहेगी कि वे व्यक्तिगत रूप से चुनावी मैदान में न उतरें। खेसारी ने बताया कि उनका मकसद फैमिली को निजी खुशी के रूप में रखना है और वे चाहते हैं कि परिवार में सामंजस्य बना रहे।खेसारी ने कहा, "मैं चुनाव नहीं लड़ रहा हूं। भविष्य में मेरी कोशिश रहेगी कि मैं चुनाव न लड़ूं। मैं अपनी खुशी चंदा के रूप में देखना चाहता हूं।" इसके बावजूद उन्होंने संकेत दिया कि अगर आवश्यक हुआ और पत्नी ही चुनाव लड़ने का निर्णय लें, तो वे उन्हें प्रोत्साहित करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पत्नी को मनाने का प्रयास कर रहे हैं क्योंकि बच्चे अभी छोटे हैं और परिवार का भविष्य एक बड़ा मुद्दा है।खेसारी ने बताया कि उन्होंने तेजस्वी यादव से भी मुलाकात की है और खुद भी चुनाव प्रचार में सक्रिय रहेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया, "बिहार चुनाव में मैं प्रचार करूंगा। भैया का आदेश भी है।" उन्होंने इसका कारण बताते हुए कहा कि स्टारडम के दम पर चुनाव लड़ने से काम नहीं बनेगा; उम्मीदवार को स्थानीय समस्याओं को समझकर समाधान करना चाहिए।खेसारी ने बदलाव पर भी जोर दिया और कहा कि परिवर्तन से नेताओं में काम करने का डर बनेगा। वे चाहते हैं कि जो लोग चोटियों पर बैठे हैं, वे जनता की समस्याओं को हल करने का कार्य करें।उन्होंने यह भी कहा कि अगर उनकी पत्नी चुनाव लड़ेंगी तो उन्हें महीने में कम-से-कम 20 दिन अपने विधानसभा में बिताने की शर्त पर ही आगे बढ़ने देंगे, अन्यथा वे चुनाव न लड़ने के पक्ष में हैं। खेसारी ने अपनी प्राथमिकता जनता की सेवा और परिवार दोनों बताया और कहा कि जीत के बाद जीवन विदेश में नहीं कटेगा — काम जनता के लिए किया जाएगा।

## आखिर समाधान क्या है?

**कथित जातीय उत्पीड़न के मामले अक्सर सामने आते हैं। मामला शांत होने तक हर बार यही चर्चा होती है कि आज भी किस हद तक जातिगत भेदभाव फैला हुआ है। मगर ऐसी चर्चाएं कभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचतीं। हरियाणा कैडर के आईपीएस वाई. पूरन कुमार की आत्म-हत्या को संस्थागत जातीय उत्पीड़न की मिसाल बताया गया है। कुमार ने सात अक्टूबर को चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर आत्महत्या कर ली। अपने सुसाइड नोट में उन्होंने 15 वरिष्ठ अधिकारियों पर मानसिक उत्पीड़न और जातिगत भेदभाव के गंभीर आरोप लगाए। स्वाभाविक है कि मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। इसी समय मध्य प्रदेश की एक घटना भी सुर्खियों में है। इसके मुताबिक दमोह जिले में एक ओबीसी युवक को कथित रूप से जबरन एक ब्राह्मण व्यक्ति का पैर धोकर पानी पिलाया गया। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद सामाजिक संगठनों ने वहां विरोध प्रदर्शन किया। ये घटनाएं कोई अजूबा नहीं हैं। अक्सर विभिन्न क्षेत्र के संस्थानों से लेकर गांव-देहात तक से कथित जातीय उत्पीड़न के मामले सामने आते रहते हैं। जब तक मामला शांत नहीं होता, उसको लेकर यही चर्चा होती है कि भारतीय समाज में आज भी जातिवाद और जातिगत भेदभाव फैला हुआ है। मगर ऐसी चर्चाएं कभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचतीं। कुछ जातियों को उत्पीड़क बता कर या सदियों से मौजूद जातीय उत्पीड़न की चर्चा कर इंसाफ के पैरोकार आगे बढ़ जाते हैं। वे यह सवाल नहीं उठाते कि सौ-डेढ़ सौ साल से इसी तरह का विमर्श जारी रहने, संविधान में तमाम भेदभाव खत्म करने के स्पष्ट प्रावधान होने और साढ़े तीन दशक से सामाजिक न्याय की राजनीति के हावी रहने के बावजूद हालात क्यों नहीं बदले हैं? ये कठिन और असहज करने वाले प्रश्न हैं। इनकी तह में जाने पर नजर आएगा कि खुद किस तरह जातिगत पहचान और प्रतिनिधित्व को सामाजिक न्याय का पर्याय बना कर इसके पैरोकारों ने सारा विमर्श जातिवाद पर केंद्रित कर दिया है। इससे वंचित समूहों के बीच व्यापक एकता और समाज के आधुनिकीकरण की संभावनाएं क्षीण हो गई हैं। नतीजतन, जाति के विनाश का वह लक्ष्य पीछे छूट गया है, जिसे केंद्र में रखकर आधुनिक भारत के निर्माण की परियोजना शुरू की गई थी। इससे कुछ नेता-परिवारों और मध्यवर्गीय बुद्धिजीवियों को अवश्य लाभ हुआ है, मगर जातिवाद या जमीनी स्तर पर जातीय भेदभाव को खत्म करने का मार्ग और बाधित ही हुआ है।**

# गौहत्या पर प्रतिबंध क्यों लगाया जाना चाहिए?



पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

हज़ारों वर्षों के प्रलेखित इतिहास के साथ देशी गाय भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान रखती है। भगवान शिव के वाहन, नंदी बैल की मूर्ति, भारतीय मंदिरों और सामाजिक-सांस्कृतिक केंद्रों में प्रमुखता से प्रदर्शित की जाती है। प्राचीन काल में गायों का दैनिक जीवन में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता था। गाय के कम वसा वाले दूध को माँ के दूध का एक अच्छा विकल्प माना जाता था। इसके अतिरिक्त, खाना पकाने का घी, डेयरी उत्पाद और मिठाइयाँ गाय के दूध से बनाई जाती थीं। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि गायों के अतिरिक्त उपयोग भी थे। समृद्ध जैविक खाद, जैसे कि गाय का गोबर, खेत की खाद और फर्श की प्लास्टरिंग दोनों के लिए उपयोग किया जाता था। इसका उपयोग गोबर के उपले के रूप में ईंधन के रूप में भी किया जाता था। इसके अतिरिक्त, गोमूत्र को चिकित्सीय और कीटनाशक गुणों वाला माना जाता था। इसके अतिरिक्त, गायों की प्रजनन और संतानों के लिए आवश्यकता थी। फिर, बैल जैसे भार ढोने वाले जानवर परिवहन और खेत की जुताई दोनों के लिए सहायक थे। इसलिए, वैज्ञानिक, सांस्कृतिक और आर्थिक कारणों से गाय समाज और लोगों दोनों के लिए एक मूल्यवान और प्रिय संपत्ति बन गई। वास्तव में, कौटिल्य के अर्थशास्त्र के दो अध्याय गायों को समर्पित हैं। इन सामाजिक-आर्थिक लाभों के कारण सदियों तक गोहत्या पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। वृहद आर्थिक स्तर पर, देशी गायें रोज़गार पैदा करती हैं और दूध, चारा और चराई के लिए आवश्यक श्रम की आपूर्ति श्रृंखला के लिए आय उत्पन्न करती हैं। भारत जैसे उभरते राष्ट्र में जहाँ दो-तिहाई आबादी अभी भी जीविका के लिए कृषि पर निर्भर है, देशी गाय ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनी हुई है, खासकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए, हालाँकि इसे आज वैसी मान्यता नहीं मिली है। कुछ इतिहासकारों के अनुसार, मोहनजोदड़ो के पुरातात्विक स्थल के हर स्तर पर कूबड़ वाले बैल के अवशेषों की प्रचुरता इस बात का संकेत है कि 'सिंधु घाटी मवेशियों की उत्तम नस्लों से विशेष रूप से समृद्ध रही होगी।' चाहे इसकी उत्पत्ति कुछ भी हो, गाय सदियों से भारतीय कृषि की आधारशिला रही है, जो दूध और दुग्ध उत्पादों के माध्यम से किसान परिवारों को पोषण प्रदान करती है, साथ ही कृषि कार्यों जैसे कि ज़मीन की जुताई और माल के परिवहन के लिए भारवाहक पशु शक्ति भी प्रदान करती है। गाय जीवन की लगभग सभी आवश्यक आवश्यकताओं को पूरा करती थी, जिसमें खेती और खाद, भोजन और जीविका, परिवहन और ईंधन शामिल हैं।

**प्राचीन भारत में गायें-** जब हम प्राचीन भारत से लेकर वर्तमान तक गाय के इतिहास पर नज़र डालते हैं, तो भारतीय देशी गायों को प्राचीन काल से ही विभिन्न वैज्ञानिक कारणों से पूजा जाता रहा है। कृषि भारत की प्राथमिक आर्थिक शक्ति थी, और व्यावहारिक रूप से हर प्रमुख भारतीय त्योहार किसी न किसी कृषि गतिविधि के इर्द-गिर्द घूमता था। भारत के लोगों के लिए, देसी गाय धन का प्रतीक है। भारतीय किसान गाय के गोबर का उपयोग ईंधन और उर्वरक के स्रोत के रूप में करते रहे हैं। यह पूरी तरह से जैविक था और उच्च उपज वाली फसलें पैदा करता था। गायें पर्यावरण के लिए लाभकारी प्रथाओं के साथ स्थायी कृषि का एकमात्र स्रोत थीं। वास्तव में, उस समय गायों का मूल्य सोने से भी अधिक था। गायों को परिवार का सदस्य माना जाता था। 1580 में भारत आने वाले एक शुरुआती अंग्रेज़ आगंतुक, राल्फ फिच ने अपने घर भेजे पत्र में लिखा, 'उनका एक अजीबोगरीब समुदाय है- वे गाय की पूजा करते हैं और अपने घरों की दीवारों को रंगने के लिए गाय के गोबर का उपयोग करते हैं।' वे मांस नहीं खाते और कंद-मूल, अनाज और दूध पर जीवित रहते हैं।

**अंग्रेजों ने भारत की आर्थिक वृद्धि को तहस-नहस कर दिया-** जब अंग्रेज भारत पहुँचे और पूरे उपमहाद्वीप का अध्ययन किया, तो उन्हें पता चला कि वे सीधे तौर पर इस देश पर शासन नहीं कर सकते। भारतीय अर्थव्यवस्था देसी गाय और जैविक कृषि पर बहुत अधिक निर्भर थी और भारतीय शिक्षा प्रणाली पूरी तरह से नैतिकता, विज्ञान और गुरुकुल प्रणाली पर आधारित थी, जो संस्कृति में गहराई से समाहित थी। ब्रिटिश भारत के गवर्नर रॉबर्ट क्लाइव ने इस क्षेत्र में कृषि पर व्यापक अध्ययन किया। रॉबर्ट क्लाइव ने पाया कि गायें भारतीय कृषि के लिए आवश्यक हैं और उनके बिना कृषि संभव नहीं है। इस नींव को तोड़ने के लिए गायों का उन्मूलन आवश्यक था।

**ब्रिटिश शासन के दौरान बूचड़खाना-** इसलिए भारत में पहला बूचड़खाना 1760 में कोलकाता में स्थापित किया गया, जहाँ प्रतिदिन 30,000 से अधिक देसी गायों का वध किया जाता था, जिसके परिणामस्वरूप एक वर्ष में कम से कम एक करोड़ गायों का वध किया जाता था। ब्रिटिश सैनिक इसका उपयोग पोषण के लिए करते थे या इसे इंग्लैंड को बेचते थे। भारत में अंग्रेजों के लिए गोमांस मुख्य आहार बन गया। जब भारतीय कृषि को झटका लगा, तो अंग्रेजों ने व्यावसायिक खेती विकसित की, जो रसायनों और उर्वरकों पर भारी थी और इसे एक अलग वाणिज्य उद्योग में बदल दिया। उन्होंने अपने कुकर्मों से भारत की पूरी आर्थिक व्यवस्था को बर्बाद कर दिया। देसी गायों के विस्तार को पूरी तरह से रोकने के लिए, उन्होंने जर्सी आयात की और उसे देसी नस्ल की गायों के साथ संकरित किया। गोहत्या के लिए पश्चिम के औचित्य अब निर्विवाद नहीं हैं। मांस से बेहतर प्रोटीन स्रोत हैं। किसी भी आहार विशेषज्ञ का चार्ट बताएगा कि 22% प्रोटीन वाला गोमांस, सोयाबीन (43%), मूंगफली (31%) और दालों (24%) से कम स्कोर करता है। एक किलोग्राम गोमांस बनाने के लिए सात किलोग्राम फसलों और 7,000 किलोग्राम पानी की आवश्यकता होती है। गाय संरक्षण आर्थिक और पर्यावरणीय दृष्टि से उचित है। हिंदू धर्म आचार्य सभा के संयोजक स्वामी दयानंद सरस्वती ने जोर देकर कहा है कि मांसाहार अप्रत्यक्ष रूप से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और अन्य प्रदूषकों में महत्वपूर्ण योगदान देता है। साल 2006 के संयुक्त राष्ट्र के एक आकलन के अनुसार, 'मांस के लिए जानवरों को पालने से दुनिया की सभी कारों और ट्रकों से उत्पन्न होने वाली ग्रीनहाउस गैसों से भी ज़्यादा गैसें निकलती हैं।' भोजन के लिए पाले जाने वाले अरबों जानवर अपने मलमूत्र के ज़रिए मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड और कार्बन डाइऑक्साइड जैसी गैसें छोड़ते हैं। शोधपत्र में कहा गया है कि 'उत्सर्जित मीथेन में $CO_2$ की तुलना में 23 गुना ज़्यादा ग्लोबल वार्मिंग क्षमता होती है।' इन जानवरों को चरने के लिए, अछूते जंगलों को नष्ट किया जा रहा है। पशुधन क्षेत्र को भी जानवरों के चारे के लिए एकल फ़सलें उगाने हेतु बड़े भूभाग की आवश्यकता होती है। जब पेड़-पौधे नष्ट हो जाते हैं, तो उनमें जमा $CO_2$ वायुमंडल में चली जाती है। चारा उगाने के लिए जीवाश्म ईंधन से बने कृत्रिम उर्वरकों का व्यापक उपयोग ज़रूरी है। हालाँकि इस प्रक्रिया से काफ़ी मात्रा में $CO_2$ उत्पन्न होती है, लेकिन उर्वरक से नाइट्रस ऑक्साइड निकलता है, जो एक ग्रीनहाउस गैस है जो $CO_2$ से 296 गुना ज़्यादा शक्तिशाली है। इन चौंकाने वाले निष्कर्षों के बावजूद, लोगों को लाल मांस से परहेज़ नही है। रोज़ाना लाखों जानवरों को मारने के लिए उन्हें पालने की ज़रूरत नहीं होगी। परिणामस्वरूप, जानवरों की आबादी कम हो जाएगी। मांसाहार से परहेज करने वाला एक व्यक्ति प्रति वर्ष 1.5 टन $CO_2$ उत्सर्जन के बराबर बचत करता है। यह एक बड़ी सेडान कार से छोटी कार में जाने से बचाई गई एक टन $CO_2$ से भी ज़्यादा है। इसलिए शाकाहारी होने के कई कारण हैं। मांसाहारी लोग मानते हैं कि पूर्णतः शाकाहारी भोजन वैकल्पिक है। लेकिन आज अगर वे इस जीवनदायी ग्रह के साथ हो रहे बदलावों से अवगत होना चाहते हैं, तो उनके पास कोई विकल्प नहीं है। पर्यावरण पर पड़ने वाले भयानक प्रभावों को देखते हुए, गोमांस खाने का कोई औचित्य नहीं है। देसी गाय के पुनर्जागरण के लिए नए सिरे से उत्साह की आवश्यकता है। यह भारत के लिए संवैधानिक है, और हमें अपनी पूरी शक्ति से इसकी रक्षा करनी चाहिए। दया, प्रेम, उदारता और त्याग से परिपूर्ण संसार का प्रतीक गाय है। इसमें पाँच गुणों का भी उल्लेख है। हालाँकि, इसने कुछ चुनिंदा लोगों के थोड़े से भौतिक और आर्थिक लाभ के लिए बहुमूल्य दिव्य प्रजातियों के साथ क्रूरता, दुर्व्यवहार और हत्या को जन्म दिया है। ये सभी बुचडखानों की ओर जा रहे हैं।

# तालिबानी अब हमारे सखा है

श्रुति व्यास

कुछ दिनों से भारत में एक ही ख़बर है! और वह एक तालिबानी के दौरे की है। बाक़ी सब कुछ, चाहे बिहार चुनाव हो, सीट बँटवारे की जोड़-बाकि, या ग़ाज़ा में युद्धविराम की खबर, सब साइडलाइन पर खिसक गए हैं। दिल्ली का फोकस केवल तालिबान पर केंद्रित है। और यह सिर्फ़ जिज्ञासा नहीं है। हाँ, उन्हें चलते, बोलते, कैमरे के सामने सहज होते देखना एक तमाशे जैसा है, लेकिन तालिबान प्रतिनिधिमंडल खुद भी जानता है कि यह ध्यान उनके काम आता है। भारत में यह उनका मौका है — दिखने, सुने जाने और शायद थोड़ा घूमने-फिरने का भी। इस पूरे सप्ताह के नज़ारे के केंद्र में हैं आमिर ख़ान मुत्ताक़ी, तालिबान के कार्यवाहक विदेश मंत्री। वही मुत्ताक़ी जिनकी यात्रा पर अब भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 1988 के तहत आंतकी के नाते पाबंदी है, वे अब दिल्ली के झूमरों के नीचे तस्वीरें खिंचवा रहे हैं। यह उनकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है, लेकिन 2021 में पद संभालने के बाद उनकी दसवीं विदेश यात्रा। उनमें से पाँच क़तर, तीन पाकिस्तान, और दो-दो चीन, ईरान और तुर्की के लिए थीं। अब दिल्ली भी उस सूची में शामिल हो गया है। और दिल्ली से उनका जुड़ना प्रतीकात्मक से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण है। 10 अक्टूबर को मुत्ताक़ी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाक़ात की, भारत द्वारा अफ़ग़ानिस्तान भेजी जा रही एम्बुलेंसों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं, और काबुल में भारतीय दूतावास फिर से खोलने पर चर्चा की जो चार साल पहले तालिबान की सत्ता वापसी के बाद बंद कर दिया गया था। मुत्ताक़ी के मुँह से अच्छे दोस्त और जयशंकर के बयान में करीबी सहयोग जैसे शब्द दर्शाते हैं कि भारत की नीति में यह बदलाव संयोग नहीं, सुविचारित है। चार साल पहले तक यह सब असंभव लगता था। 2021 में जब अमेरिका ने अफ़ग़ानिस्तान से वापसी की समयसीमा तय की, तो दिल्ली स्तब्ध थी। 15 अगस्त को काबुल पर तालिबान के कब्ज़े ने भारत को रातों-रात दूतावास और वाणिज्य दूतावास बंद करने पर मजबूर कर दिया। हज़ारों अफ़ग़ान छात्र, व्यापारी और मरीज़ अचानक फँस गए। भारत ने एक झटके में लगभग सभी वीज़ा रद्द कर दिए। वह क्लिक आतंक और पलायन दोनों का प्रतीक था। लेकिन कूटनीति, जैसे शक्ति, खालीपन को बर्दाश्त नहीं करती। सिर्फ़ एक साल में भारत ने फिर से संतुलन साधना शुरू किया। जून 2022 में एक तकनीकी दल चुपचाप काबुल भेजा गया ताकि मानवीय सहायता की निगरानी कर सके। 2023 के अंत तक तालिबान अधिकारियों को भारतीय वीज़ा मिलने लगे, दिल्ली में उनके प्रतिनिधि नियुक्त हुए और मुंबई व हैदराबाद में वाणिज्य दूतावास खुले। जो संपर्क मानवीय कहलाया था, वह धीरे-धीरे औपचारिक संवाद में बदल गया। यह परोपकार नहीं, रणनीतिक समायोजन था — यह स्वीकारोक्ति कि तालिबान कोई गुजरती लहर नहीं बल्कि इस क्षेत्र की नई और स्थायी वास्तविकता है। और अगर दिल्ली पीछे रहती, तो चीन, ईरान और रूस अफ़ग़ानिस्तान के अगले अध्याय को उसके बिना लिख देते। यहाँ एक गहरी विडंबना भी है। एक हिंदू राष्ट्रवादी सरकार, जो अपने भीतर सभ्यतागत विमर्श और इस्लाम के प्रति अविश्वास पर टिकी है, अब अपने पड़ोस में एक इस्लामी थियोक्रेसी के साथ बैठी है। जिस नेतृत्व की वैचारिक पहचान भीतर विरोध पर टिकी है, उसके लिए तालिबान का दिल्ली में स्वागत एक साथ विरोधाभास भी है और व्यावहारिकता भी। क्योंकि विदेश नीति शायद ही कभी घरेलू राजनीति की परछाई होती है। भारत इस समय जिस नीति का अभ्यास कर रहा है, वह अंतरराष्ट्रीय संबंधों की क्लासिक यथार्थवादी धारा है — रियलिज़्म — जिसे हांस मॉर्गेन्थाउ और केनेथ वाल्ट्ज ने परिभाषित किया था: राष्ट्र आदर्शों से नहीं, हितों से चलते हैं। इस दुनिया में न स्थायी दोस्त होते हैं, न स्थायी दुश्मन — सिर्फ़ स्थायी बेचैनियाँ। भले ही भाजपा की सांस्कृतिक राजनीति धार्मिक द्वंद्व पर चलती है, उसकी विदेश नीति इन सीमाओं से काफ़ी आगे निकल चुकी है। यह ऑफ़ेंसिव रियलिज़्म है — सिद्धांतों से ऊपर शक्ति, निष्ठा से ऊपर लाभ। तालिबान के साथ संवाद और अफ़ग़ानिस्तान में अमेरिकी सैन्य वापसी के ख़िलाफ़ भारत का अप्रत्यक्ष रुख़, उसे रूस, ईरान और चीन द्वारा परिभाषित महाद्वीपीय सहमति के निकट ला रहा है — वह क्षेत्रीय यथार्थवाद जो अमेरिका-उत्तर युग का चेहरा बन रहा है। इसकी तुलना अतीत से करें। 2001 के बाद दो दशकों तक भारत की अफ़ग़ान नीति लगभग पूरी तरह वॉशिंगटन के अनुरूप रही। तालिबान को पाकिस्तान की परियोजना माना गया — आईएसआई की उपज, वैचारिक रूप से कट्टर, और दिल्ली के लिए यादगार एक प्रतीक — आईसी-814 अपहरण और भारतीय इंजीनियरों की हत्या। वह संरेखण स्वाभाविक था, आवश्यक भी। पर भू-राजनीति भी स्मृति की तरह क्षणिक होती है। आज वही शक्तियाँ जो कभी तालिबान से लड़ीं, उन्हें अपने उपयोग के योग्य पा रही हैं। मॉस्को में पिछले सप्ताह मुत्ताक़ी ने चेताया कि आईएसआईएस-ख़ुरासान का दायरा बढ़ रहा है — एक तालिबान मंत्री अब आतंकवाद-रोधी भाषा बोल रहा है। यह एक असाधारण उलटफेर है, पर अनिवार्य भी। यह पाखंड नहीं, विकास है — वह कंस्ट्रक्टिविस्ट यथार्थ, जिसमें राज्य नैतिकता से नहीं, परिस्थितियों से ढलते हैं। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अब उसी शासन से वार्ता कर रहा है जिसे कभी उसने कोसा था — क्योंकि दोनों के नीचे की ज़मीन बदल चुकी है। अफ़ग़ानिस्तान अब अमेरिका के नैतिक युद्धों का मंच नहीं; यह यूरेशियाई यथार्थवाद की सीमा रेखा है। आईएसआईएस-के के हमलों ने अफ़ग़ानिस्तान से ईरान और रूस तक नई दरारें खींच दी हैं। यहाँ तक कि चीन भी शिनजियांग में इसके फैलाव से चिंतित है। इस परिदृश्य में तालिबान — निर्दयी पर स्थिर — अराजकता से बेहतर विकल्प बन गए हैं, एक बफ़र जो अराजकता को थामे हुए है। रूस, ईरान और मध्य एशियाई देशों के लिए तालिबान से संवाद सुरक्षा आवश्यकता बन चुका है। भारत के लिए यह रणनीतिक विवशता है। उसकी प्राथमिक चिंता वही है — अफ़ग़ान ज़मीन भारत के ख़िलाफ़ इस्तेमाल न हो। मुत्ताक़ी ने दिल्ली की इन संवेदनाओं को समझते हुए यही आश्वासन दोहराया है। पर भारत की दिलचस्पी सुरक्षा से आगे जाती है — वह पश्चिम एशिया के उन परिवहन मार्गों में अपना पैर जमाए रखना चाहता है जो चीन की बेल्ट एंड रोड पहल और पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट के संतुलन हैं — ईरान का चाबहार बंदरगाह और इंटरनेशनल नॉर्थ–साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर। काबुल के साथ संवाद इस गणना में पूरी तरह फिट बैठता है — विवेक पर नहीं, उपस्थिति पर ज़ोर; नैतिकता पर नहीं, पहुँच पर निवेश। फिर भी यह यथार्थवाद अपने भीतर असहजता रखता है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अब एक ऐसे शासन का मेज़बान है जो महिलाओं को अदृश्य बना देता है। जब मुत्ताक़ी की प्रेस कॉन्फ़्रेंस से महिला पत्रकारों को बाहर रखा गया, तो कूटनीति और नैतिकता के बीच की खाई साफ़ दिखी। लेकिन विदेश नीति सदाचार से नहीं, संतुलन से चलती है। भारत का यह नया संवाद तालिबान को वैधता नहीं देता — बस अलगाव की सीमाओं को स्वीकार करता है। पश्चिम अब भी दूरी बना रहा है, पर क्षेत्र आगे बढ़ चुका है। लोकतंत्र बनाम आतंक की रेखा अब स्थिरता बनाम रिक्तता के समीकरण में बदल चुकी है।




**मेषः** आज का दिन ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरपूर रहेगा। पुराने अटके हुए काम पूरे होने से मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत को सराहना मिलेगी। व्यापारियों को नए सौदे या साझेदारी का अवसर मिल सकता है। परिवार के साथ समय बिताने से मन का तनाव दूर होगा। जल्दबाजी में कोई आर्थिक निर्णय लेने से बचें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा पर मानसिक शांति बनाए रखें।

**वृषभः** आर्थिक दृष्टि से आज का दिन शुभ रहेगा। कार्यस्थल पर आपके प्रदर्शन की प्रशंसा होगी और वरिष्ठ अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। कोई पुराना निवेश अब लाभ दे सकता है। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति रहेगी और जीवनसाथी के साथ सामंजस्य बढ़ेगा। पेट से संबंधित दिक्कतों से बचने के लिए भोजन में सादगी रखें।

**मिथुनः** आज का दिन उत्साह और नई योजनाओं से भरा रहेगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है, प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियाँ मिलेंगी जो आपके लिए लाभदायक रहेंगी। प्रेम जीवन में स्थिरता आएगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। यात्रा के योग बन रहे हैं जो लाभकारी सिद्ध होगी।

**कर्कः** आज का दिन थोड़ा मिश्रित रहेगा। भावनात्मक रूप से अस्थिरता महसूस हो सकती है, इसलिए किसी भी निर्णय में जल्दबाजी न करें। कार्यक्षेत्र में एकाग्रता बनाए रखना आवश्यक है, अन्यथा छोटी भूलें बड़ा प्रभाव डाल सकती हैं। पारिवारिक सलाह आपके लिए उपयोगी रहेगी। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, पर आराम अवश्य करें।

**सिंहः** आज का दिन आपके लिए प्रगति और सफलता लेकर आया है। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या सम्मान मिलने की संभावना है। व्यापारियों के लिए भी आर्थिक लाभ के संकेत हैं। परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा और किसी शुभ समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, बस पर्याप्त आराम लें।

**कन्याः** आज धैर्य और संयम से काम लेना जरूरी होगा। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय करें। किसी अजनबी या नए व्यक्ति पर अधिक भरोसा न करें। परिवार में सहयोगपूर्ण माहौल रहेगा, पर कार्यभार के चलते थकान महसूस हो सकती है। विद्यार्थियों को ध्यान केंद्रित रखने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य के लिए योग और ध्यान उपयोगी रहेगा।

**तुलाः** आज सामाजिक गतिविधियों में आपकी भागीदारी बढ़ेगी। नए संपर्क बन सकते हैं जो भविष्य में फायदेमंद साबित होंगे। आर्थिक रूप से स्थिति मजबूत बनी रहेगी और खर्चों में नियंत्रण रहेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। परिवार में किसी पुराने विवाद का समाधान संभव है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा, मानसिक शांति बनाए रखें।

**वृश्चिकः** आज का दिन सतर्कता बरतने का है। कार्यस्थल पर प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है, पर आप अपनी ईमानदारी और बुद्धिमानी से परिस्थिति को अपने पक्ष में मोड़ पाएंगे। धन लाभ के अवसर बन रहे हैं। पारिवारिक जीवन में सहयोग और प्रेम बना रहेगा। सिरदर्द या थकान जैसी समस्याएँ हो सकती हैं, इसलिए पर्याप्त नींद लें।

**धनुः** आज आपकी योजनाएँ सफल होंगी। नए अवसर मिल सकते हैं और कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। परिवार में आनंद और उत्सव का माहौल रहेगा। आर्थिक दृष्टि से दिन लाभकारी रहेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। यात्रा के योग शुभ हैं। सेहत में सुधार के संकेत हैं।

**मकरः** आज का दिन जिम्मेदारियों से भरा रहेगा। कामकाज में व्यस्तता रहेगी, पर आपकी मेहनत रंग लाएगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और नया निवेश फायदेमंद साबित हो सकता है। पारिवारिक मतभेद बातचीत से सुलझ सकते हैं। स्वास्थ्य के लिए दिनचर्या में संतुलन बनाए रखें और खानपान पर ध्यान दें।

**कुंभः** आज का दिन आत्मचिंतन और भविष्य की योजनाएँ बनाने के लिए उपयुक्त है। किसी बड़े निर्णय को लेने से पहले परामर्श अवश्य लें। कार्यस्थल पर सहयोगियों से तालमेल बनाए रखना आवश्यक है। आर्थिक रूप से स्थिति सामान्य रहेगी, पर अचानक खर्च संभव हैं। परिवार में स्नेह और सामंजस्य बढ़ेगा। ध्यान या संगीत से मानसिक शांति मिलेगी।

**मीनः** आज का दिन सकारात्मकता से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की प्रशंसा होगी और वरिष्ठ अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। आर्थिक लाभ के योग बन रहे हैं। पारिवारिक जीवन में प्रेम और सहयोग बना रहेगा। विद्यार्थियों को नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी और सेहत उत्तम रहेगी।

# ब्रह्मपुत्र हाइड्रो प्रोजेक्ट : चीन को भारत का करारा जवाब

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

वैश्विक राजनीतिक और रणनीतिक परिदृश्य लगातार बदल रहा है। सीमाएँ सिर्फ भौगोलिक दृष्टि से ही नहीं, वे ऊर्जा, जल और सुरक्षा की दृष्टि से भी अहमियत रखती हैं। ऐसे समय में, जब कोई पड़ोसी देश भारत के लिए दबाव या चुनौती उत्पन्न करता है, जैसे कि चीन द्वारा ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपरी हिस्से पर बड़े बांध बनाने का कार्य हो, तब प्रतिक्रिया केवल कूटनीतिक बयानबाजी या आलोचना तक सीमित नहीं होनी चाहिए। वास्तविक रणनीति वह है जो दीर्घकालिक, ठोस और आत्मनिर्भर हो। अच्छी बात है कि यही दृष्टिकोण आज भारतीय नीति निर्माताओं द्वारा अपनाया जाना सामने आ रहा है। चीन की ओर से तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी (स्थानीय नाम यारलुंग जांगबो) के ऊपरी हिस्से में बड़े बांध विकसित किए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं से भारत के लिए जल प्रवाह में कमी, बाढ़ नियंत्रण में मुश्किलें और संभावित सामरिक खतरे पैदा हो सकते हैं। जल बम के रूप में इनका इस्तेमाल युद्ध की स्थिति में संभव है। इन सभी खतरों को ध्यान में रखते हुए, भारत ने ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन पर लगभग 76 गीगावाट की जलविद्युत क्षमता विकसित करने के लिए 6.4 ट्रिलियन रुपये की योजना तैयार की है। यह परियोजना केवल ऊर्जा उत्पादन तक सीमित नहीं है; यह राष्ट्रीय सुरक्षा, क्षेत्रीय विकास और रणनीतिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) की रिपोर्ट के अनुसार, यह योजना 12 उप-बेसिनों में 208 बड़ी पनबिजली परियोजनाओं का निर्माण करेगी। इन परियोजनाओं में कुल मिलाकर 64.9 गीगावाट विद्युत उत्पादन और 11.1 गीगावाट पंप भंडारण क्षमता शामिल है। पंप भंडारण क्षमता का महत्व इसलिए है क्योंकि यह ऊर्जा की मांग और आपूर्ति में असंतुलन को संतुलित करने में सहायक होती है। पूर्वोत्तर राज्यों में ब्रह्मपुत्र बेसिन की भौगोलिक स्थिति इस योजना को और अधिक रणनीतिक बनाती है। अरुणाचल प्रदेश, असम, सिक्किम, मिजोरम, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड और पश्चिम बंगाल के हिस्सों में फैला यह बेसिन ऊर्जा उत्पादन के लिए अपार संभावनाएँ रखता है। विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश में उपलब्ध अप्रयुक्त पनबिजली क्षमता लगभग 52 प्रतिशत है। इसका अर्थ यह है कि यदि इस योजना को सफलतापूर्वक लागू किया जाता है, तो




भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए काफी हद तक आत्मनिर्भर बन सकता है। तकनीकी दृष्टि से परियोजना में जल प्रवाह का नियंत्रण, पंप भंडारण और सतत विद्युत उत्पादन पर विशेष ध्यान दिया गया है। चीन के बांधों द्वारा पानी की आपूर्ति पर संभावित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, भारत की योजना उच्च क्षमता वाले पनबिजली संयंत्रों और स्मार्ट ग्रिड नेटवर्क के माध्यम से स्थिर ऊर्जा उत्पादन सुनिश्चित करेगी। इससे पूर्वोत्तर में न केवल ऊर्जा संकट कम होगा, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। आर्थिक दृष्टि से इस परियोजना का पहला चरण 2035 तक पूरा होगा, जिसमें लगभग 1.91 ट्रिलियन रुपये का निवेश होगा। दूसरा चरण 4.52 ट्रिलियन रुपये की लागत से पूरा किया जाएगा। यह निवेश केवल ऊर्जा उत्पादन तक सीमित नहीं है। इससे पूर्वोत्तर राज्यों में रोजगार सृजन, बुनियादी ढांचे का विकास, और स्थानीय आर्थिक समृद्धि को भी बढ़ावा मिलेगा। एनएचपीसी, नीपको और एसजेवीएन जैसी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियाँ इस परियोजना में शामिल हैं, जो इसे सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने में सक्षम हैं। परियोजना का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि ये भारत के पर्यावरणीय और ऊर्जा लक्ष्य से मेल खाती है। भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा उत्पादन और 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है। ब्रह्मपुत्र हाइड्रो प्रोजेक्ट इन लक्ष्यों की दिशा में केंद्रीय भूमिका निभा सकता है। पनबिजली परियोजनाओं के माध्यम से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होगी और सतत ऊर्जा उत्पादन सुनिश्चित होगा। रणनीतिक दृष्टि से यह परियोजना यह संदेश देती है कि भारत किसी भी बाहरी दबाव या चुनौती के सामने कमजोर नहीं है। चीन के बांधों से उत्पन्न संभावित खतरों का उत्तर केवल विरोध या कूटनीतिक कदम से नहीं, ठोस, दीर्घकालिक और तकनीकी रूप से सक्षम योजना के माध्यम से दिया जा रहा है। यह दृष्टिकोण किसी भी वैश्विक शक्ति संतुलन के परिदृश्य में भारत की स्थिति को मजबूत करता है। इतिहास में इस तरह के अनेक उदाहरण मौजूद हैं, जब किसी देश ने प्रतिकूल परिस्थितियों या दबाव के सामने ठोस रणनीति अपनाई और दीर्घकालिक रूप से लाभ प्राप्त किया। भारत की यह योजना उसी सिद्धांत को स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि किसी भी चुनौती या खतरे के उत्तर में दीर्घकालिक योजना, आत्मनिर्भरता और ठोस क्रियान्वयन ही वास्तविक समाधान हैं। पूर्वोत्तर राज्यों में बिजली की बढ़ती मांग और स्थानीय विकास की आवश्यकता इस परियोजना को और भी महत्वपूर्ण बनाती है। उच्च क्षमता वाली पनबिजली परियोजनाओं और पंप भंडारण संयंत्रों के निर्माण से न केवल स्थिर ऊर्जा सुनिश्चित होगी, बल्कि ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में बुनियादी ढांचे का विकास भी होगा। इसके अलावा, जल संसाधनों का सतत और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। सामरिक दृष्टि से, ब्रह्मपुत्र हाइड्रो प्रोजेक्ट यह स्पष्ट संदेश देता है कि भारत किसी भी बाहरी शक्ति द्वारा उत्पन्न संकट का सामना करने में सक्षम है। यह केवल ऊर्जा उत्पादन की दिशा में कदम नहीं है, राष्ट्रीय संकल्प और रणनीतिक स्थिरता का प्रतीक भी है। किसी भी दबाव या धमकी के उत्तर में सिर्फ विरोध करना पर्याप्त नहीं; वास्तविक प्रभावी प्रतिक्रिया वह है जो दीर्घकालिक, रणनीतिक और ठोस हो। अंततः, ब्रह्मपुत्र हाइड्रो योजना यह प्रमाणित करती है कि किसी भी बाहरी दबाव या खतरे के सामने देश की प्रतिक्रिया केवल संवेगात्मक या तत्कालीन नहीं होनी चाहिए। यह दीर्घकालिक योजना, आत्मनिर्भरता और तकनीकी दक्षता के माध्यम से स्थिति को अपने पक्ष में मोड़ने का उदाहरण है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

# कप्तान शुभमन सहित भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना हुई, विराट और रोहित भी थे टीम के साथ

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना हुई। इसमें नये एकदिवसीय कप्तान शुभमल गिल के अलावा अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित कई अन्य खिलाड़ी शामिल थे। भारत के ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 अक्टूबर से सीरीज शुरु होगी। इस दौरे पर भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज के अलावा 5 मैच की टी20 सीरीज भी खेलेगी। इस दौरे पर एकदिवसीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे जबकि टी20 की कप्तानी सूर्यकुमार यादव के पास रहेगी। रोहित और विराट एकदिवसीय सीरीज से सात माह बाद मैदान में वापसी करेंगे। रवाना होने वाले खिलाड़ियों में कप्तान शुभमन , रोहित, विराट, श्रेयस अय्यर, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल, हर्षित राणा, केएल राहुल, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा आदि थे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला एकदिवसीय मुकाबला पर्थ में खेला जाएगा। चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद से ही ये भारतीय टीम की पहली एकदिवसीय सीरीज होगी। भारत की एकदिवसीय टीमः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (वीसी), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल।

**भारत की टी20 टीमः** सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुबमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

**एकदिवसीय सीरीज कार्यक्रम**

- पहला एकदिवसीय- 19 अक्टूबर; सुबह 9 बजे
- दूसरा एकदिवसीय- 23 अक्टूबर; सुबह 9 बजे
- तीसरा एकदिवसीय- 25 अक्टूबर; सुबह 9 बजे

**टी20 कार्यक्रम**

- पहला टी20- 29 अक्टूबर; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
- दूसरा टी20- 31 अक्टूबर; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
- तीसरा टी20- 2 नवंबर; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
- चौथा टी20- 6 नवंबर; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
- पांचवां टी20- 8 नवंबर; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से

## युशस्वी टेस्ट की तरह ही एकदिवसीय प्रारुप में भी एक सफल सलामी बल्लेबाज बनेंगे : आकाश चोपड़ा

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि रोहित शर्मा अब अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं। ऐसे में आने वाले समय में उनकी जगह लेने के लिए युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल सबसे अच्छे विकल्प है। यशस्वी ने हालांकि अभी तक केवल एक ही पचास ओवर का मैच खेला है हालांकि इसके बाद भी चोपड़ा को पूरा भरोसा है कि युशस्वी टेस्ट की तरह ही एकदिवसीय प्रारुप में भी एक सफल सलामी बल्लेबाज बनेंगे। इस पूर्व क्रिकेटर के अनुसार जब यशस्वी शुभमन के साथ पारी शुरु करेंगे तो प्रशंसकों को रोहित की कमी बिल्कुल महसूस नहीं होगी। यशस्वी ने टेस्ट सीरीज में पारी की शुरुआत करते हुए कई बड़ी पारियां खेल हैं। इंग्लैंड दौरे के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी उन्होंने जमकर रन बनाये हैं। दिल्ली टेस्ट में भारत की पहली पारी में उन्होंने 258 गेंदों में 175 रनों की शानदार पारी खेली। अब तक 26 टेस्ट खेल चुके यशस्वी ने अब तक केवल एक ही पचास ओवर का मैच खेला है। वहीं उन्होंने 23 टी20 खेले हैं। आकाश ने कहा कि यशस्वी शीघ्र ही तीनों फॉर्मेट में टीम इंडिया का नियमित हिस्सा बन सकते हैं। वह पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में प्रभावित कर चुके हैं और एक शतक भी जड़ चुके हैं। आईपीएल में उनकी बल्लेबाजी में निरंतरता रही है। वह टी20 विश्व कप दल का भी हिस्सा थे।

## रोहित और विराट अभी अपने खेल का ही आनंद लें : कुंबले

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर और कोच रहे अनिल कुंबले ने कहा है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली का 2027 एकदिवसीय विश्वकप में खेलना तय नहीं है। कुंबले का मानना है कि ऐसे में इन दोनों खिलाड़ियों को अभी मैदान पर अपने खेल का आनंद लेना चाहिये क्योंकि विश्व कप में अभी दो साल का समय है। ऐसे में प्रशंसकों को भी अगामी विश्वकप को लेकर अटकलें लगाने की जगह पर उनके अब तक के शानदार करियर पर बात करनी चाहिये। उन्होंने कहा, हमें बस इन दोनों को मैदान पर खेलते हुए देखने का आनंद लेना चाहिये। कुंबले के अनुसार इन दोनो का भारतीय क्रिकेट में काफी योगदान है। साल 2027 अभी दूर है, इसलिए इन दोनो को ही अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देना चाहिए। कुंबले ने यह भी कहा कि अब जब रोहित के ऊपर कप्तानी का बोझ नहीं है तो ऐसे में वह खुलकर खेल सकेंगे। ऐसे में उनके पास अपने फिर से साबित करने का अच्छा अवसर है। रोहित और विराट ने अंतिम बार मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था। इसके बाद से ही दोनो खेल से दूर हैं। साथ ही कहा कि इन दोनो को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज़ में वापसी पर बेहतर प्रदर्शन कर चयनसमिति का भरोसा जीतना होगा। तभी उन्हें 2027 विश्व कप के लिए टीम में जगह मिल पायेगी।

## श्रीकांत पर भड़के गंभीर, बोले हर्षित जैसे युवा खिलाड़ी को निशाना बनाना गलत

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने तेज गेंदबाज हर्षित राणा के चयन पर सवाल उठाने के लिए पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत की आलोचना की है। गंभीर के अनुसार जिस प्रकार से श्रीकांत ने एक युवा खिलाड़ी की निंदा की है वह सही नहीं है। श्रीकांत ने कहा था कि राणा केवल गंभीर की वजह से राष्ट्रीय टीम में हैं। उन्होंने कहा कि राणा को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए एकदिवीसय टीम में इसलिए जगह मिली है क्योंकि वह गंभीर की हर बात मानते हैं। इसके अलावा उनकी कोई योग्यता नहीं है। गंभीर ने कहा, 'यह बेहद निराशाजनक बात है कि कोई व्यक्ति अपना चैनल चलाने के लिए किसी युवा खिलाड़ी को निशाना बना रहा है। साथ ही कहा कि अगर आप मुझे निशाना बनाना चाहते हैं, तो बनाइए। मैं सामना कर सकता हूं पर किसी युवा खिलाड़ी को ट्रोल करना बेहद गलत बात है। उन्होंने कहा, ' राणा को अपनी योग्यत के आधार पर टीम में जगह मिली है। वहीं श्रीकांत ने हाल ही में तंज कसते हुए कहा था, ' टीम में एक खिलाड़ी है हर्षित पर किसी को नहीं मालूम की वह टीम में क्यों है। सबसे अच्छा यही है कि हर्षित की तरह बनें और टीम में चयन के लिए गंभीर की बातें मानते रहें। उन्होंने कहा कि गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद से ही उसे दो टेस्ट, पांच एकदिवसीय और तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने को मिले हैं।

## कॉन्स्टास और लाबुशेन को एशेज के लिए शामिल करें : वॉर्नर

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी डेविड वॉर्नर ने कहा है कि युवा बल्लेबाज सैम कॉन्स्टास और मार्नस लाबुशेन को अगले माह होने वाली एशेज सीरीज के लिए टीम में शामिल किया जाना चाहिये। वॉर्नर के अनुसार कॉन्स्टास एक प्रतिभाशाती युवा बल्लेबाज हैं। वहीं लाबुशेन ने डेब्यू के बाद से ही 50 की औसत से रन बनाये हैं। ये सही है कि वह पिछले कुछ समय से फार्म में नहीं है पर उनकी क्षमताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वार्नर ने कॉन्स्टास की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्हें टीम में जगह मिलनी चाहिये। वॉर्नर के अनुसार कॉन्स्टास पिछली बार भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज के दौरान दबाव में आ गये थे पर भारत ए के खिलाफ शानदार शतक लगाकर उन्होंने अच्छी वापसी की थी। वॉर्नर ने कहा, मैं चाहता हू कि चयनकर्ता कॉन्स्टास को अवसर दें। उसने भारत ए के खिलाफ शानदार शतक लगाया था उसमें बड़ी पारियां खेलने की अच्छी क्षमताएं हैं।वॉर्नर ने कहा कि इंग्लैंड की गेंदबाजी इकाई अच्छी है पर उनके पास जसप्रीत बुमराह जैसा गेंदबाज नहीं है, इसलिए कॉन्स्टास को डरने की जरूरत नहीं है। पिछली बार उसने बुमराह के कारण अपनी बल्लेबाजी का तरीका बदल दिया था पर उसे अपनी स्वाभाविक बल्लेबाज़ी करनी चाहिए। जब वो सामान्य खेलता है, तो बड़ा स्कोर हमेशा संभव होता है।वॉर्नर ने यह भी कहा कि मार्नस लाबुशेन को टीम में वापस लाया जाना चाहिए, लेकिन उन्हें ओपनिंग नहीं करनी चाहिए। लाबुशेन के पास टेस्ट अनुभव है और वह नंबर 3 पर शानदार बल्लेबाज़ी कर सकता है। अगर कोई बल्लेबाज़ 50 की औसत से रन बना रहा है, तो उसे खारिज नहीं किया जा सकता है।

# व्यापार

## ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में तेजी का रुख

**नई दिल्ली।** ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशियाई बाजार में आज आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,644.31 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 172.91 अंक यानी 0.76 प्रतिशत टूट कर 22,521.70 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ 46,339.31 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के कारण मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 9,452.77 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,919.62 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स 150.99 अंक यानी 0.62 प्रतिशत की कमजोरी के

साथ 24,236.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजार में से 8 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजारों में से इकलौता जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 0.79 प्रतिशत लुढ़क कर 8,003.09 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 166.50 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,361.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,369.99 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने आज बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 2.02 प्रतिशत उछल कर 3,633.92 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 363.72 अंक यानी 1.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 27,156.87 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 328.65 अंक यानी 1.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,770 अंक के स्तर पर, निक्केई इंडेक्स 580.68 अंक यानी 1.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 47,428 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.81 प्रतिशत उछल कर 1,276.69 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,869.25 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

## भारत और सऊदी अरब रसायन और पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में आपसी सहयोग बढ़ाने पर सहमत

**नई दिल्ली।** भारत और सऊदी अरब ने रसायन एवं पेट्रोकेमिकल्स क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने, निवेश को बढ़ावा देने और सहयोग के नए क्षेत्रों की खोज करने का निर्णय लिया है। दोनों पक्षों ने इस क्षेत्र में एक स्थायी और पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, जिससे भारत और सऊदी अरब के बीच रणनीतिक और आर्थिक संबंध और मजबूत होंगे। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने रसायन एवं पेट्रोरसायन क्षेत्र में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के लिए सऊदी अरब के उद्योग एवं खनिज मंत्रालय के साथ एक द्विपक्षीय बैठक की। बैठक की अध्यक्षता सऊदी अरब के उद्योग एवं खनिज उप मंत्री

खलील बिन इब्राहिम बिन सलामाह और केंद्रीय रसायन एवं पेट्रोरसायन सचिव निवेदिता शुक्ला वर्मा ने की। मंत्रालय के मुताबिक बैठक के दौरान द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने, निवेश को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र में सहयोग के नए क्षेत्रों की खोज पर चर्चा हुई। दोनों देश इस क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के साथ-साथ कौशल विकास के क्षेत्र में सहयोग करने पर सहमत हुए। सऊदी अरब भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। इसके साथ ही भारत सऊदी अरब का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2024-25 में 41.88 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है, जिसमें रसायन और पेट्रोकेमिकल्स का योगदान 10 प्रतिशत अर्थात 4.5 अरब अमेरिकी डॉलर है।

## सर्राफा बाजार में रिकॉर्डतोड़ तेजी जारी, नए शिखर पर सोना और चांदी

**नई दिल्ली।** घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमत में रिकॉर्ड तेजी का सिलसिला आज भी जारी है। ये दोनों चमकीली धातुएं आज एक बार फिर मजबूती के नए शिखर पर पहुंची हुई हैं। आज के कारोबार में सोना 2,700 रुपये से लेकर 2,950 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इसी तरह चांदी की कीमत 4,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल कर नई ऊंचाई पर पहुंच गई है। कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,28,360 रुपये से लेकर 1,28,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,17,660 रुपये से लेकर 1,17,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,89,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,28,510 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,17,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,28,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,17,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,28,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,17,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,28,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,17,660

रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,28,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,17,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार मेंओ 24 कैरेट सोना आज 1,28,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,17,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,28,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,17,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

## सितंबर में यात्री वाहनों की बिक्री चार फीसदी बढ़कर 3,72,458 इकाई रहीः सियाम

**नई दिल्ली।** अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सितंबर महीने में सालाना आधार पर चार फीसदी बढ़कर 3,72,458 इकाई रही है। उद्योग संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बुधवार को जारी आंकड़ों में बताया कि सितंबर में निर्माताओं से डीलरों तक यात्री वाहनों की शिपमेंट में सालाना आधार पर चार फीसदी की वृद्धि देखी गई। उद्योग निकाय ने कहा कि सितंबर में कुल 3,72,458 इकाइयां भेजी गईं, जबकि 2024 में इसी अवधि के दौरान यह संख्या 3,56,752 थी। आंकड़ों के मुताबिक सितंबर महीने में दोपहिया वाहनों की बिक्री 7 फीसदी वृद्धि के साथ 21,60,889 इकाई रही, जबकि सितंबर, 2024 में यह 20,25,993 इकाई रही थी। ये वृद्धि ऑटोमोटिव क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक संकेतक है, जो बढ़ती उपभोक्ता मांग और बाजार की मजबूती को दर्शाता है। सियाम ने कहा कि यात्री वाहनों और दोपहिया वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी ऑटोमोटिव उद्योग के मज़बूत प्रदर्शन को दर्शाती है, क्योंकि निर्माता चुनौतियों का सामना करने और बाजार में मौजूद अवसरों का लाभ उठाने में लगे हुए हैं। ये आंकड़े उद्योग के भविष्य के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण दर्शाते हैं।

## शेयर बाजार तेजी के साथ खुला

- सेंसेक्स 200, निफ्टी 94 अंक उछला

**मुम्बई।** भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ खुला। बाजार में ये बढ़त एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आई है। सुबह वित्तीय सेवाओं और और सरकारी बैंकिंग शेयरों में खरीदारी से भी बाजार उछला। इसी के साथ ही 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 82,197.25 अंक पर खुला। सुबह यह 329.57 अंक या 0.40 फीसदी की बढ़त लेकर 82,359.55 पर चल रहा था। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 26 के शेयर उछले जबकि 4 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। इसी प्रकार 50 शेयरों वाले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज भी तेजी के साथ खुला। खुलते ही इंडेक्स में बढ़त देखने को मिली और सुबह 94.60 अंक या 0.38 फीसदी की बढ़त के साथ 25,239 पर कारोबार कर रहा था। विदेशी निवेशकों ने गत दिवस 1,059.41 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 3,024.10 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीद की। एशियाई बाजारों की बात करें तो उसमें मजबूती दर्ज की गयी। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.3 फीसदी उछला जबकि ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.93 फीसदी उछला और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.8 फीसदी ऊपर रहा। एशियाई बाजारों में यह बढ़त अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तनाव बढ़ने से आई है। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के खिलाफ कुकिंग ऑयल पर प्रतिबंध लगाने तक की बात कही है।वहीं, अमेरिकी शेयर बाजारों में मंगलवार को मिला-जुला कारोबार हुआ। एसएंडपी 500 में 0.16 फीसदी की हल्की गिरावट रही और नैस्डैक 0.76 फीसदी गिरा। वहीं डॉव जोंस 0.44 फीसदी उछला।

# सुधीर बाबू के स्वैग और श्रेया शर्मा के जलवों से सजा गीत पल्लो लटके हुआ रिलीज़

सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा के अभिनय से सजी और ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत बहुप्रतीक्षित फिल्म जटाधारा, के विज़ुअली शानदार टीज़र और 'धना पिशाची गीत के बाद, मेकर्स ने अब पेश किया है फिल्म का सबसे ज़बरदस्त डांस नंबर 'पल्लो लटके, जो अपने हाई-एनर्जी बीट्स और जोशीले मूव्स के साथ हर डांस फ्लोर को जगमगाने के लिए तैयार है। 'पल्लो लटके गीत में जहां सुधीर बाबू अपने स्टाइलिश लुक और दमदार स्क्रीन प्रेज़ेन्स से दिल जीत ले रहे हैं, वहीं श्रेया शर्मा अपनी ग्रेस और एनर्जी से हर फ्रेम में चार चांद लगा रही हैं। भव्य स्केल पर शूट किए गए इस गाने में विज़ुअली स्टनिंग कोरियोग्राफी के साथ दोनों की कैमिस्ट्री इस गाने को और भी धमाकेदार बना रही है। अगर यह कहें तो गलत नहीं होगा कि सुधीर बाबू के बेमिसाल मूव्स और स्वैग के साथ श्रेया शर्मा का जोशीला डांस दर्शकों के लिए एक विज़ुअल ट्रीट होगा।

लोकप्रिय राजस्थानी लोकगीत 'पल्लो लटके को जटाधारा में एक नए अंदाज़ में पेश किया गया है, जहां पारंपरिक मेलोडी को आधुनिक बीट्स और कटिंग-एज कोरियोग्राफी के साथ जोड़ा गया है। यह गाना परंपरा और आधुनिकता का शानदार संगम पेश करता है, जो भारतीय आत्मा से जुड़ी डिजिटल जेनरेशन को भी खूब भाएगी। ऐसे में इसका कैची रिदम, फूट-टैपिंग ग्रूव और सोशल मीडिया पर छाने वाले विज़ुअल मूव्स इसे इस साल का अल्टीमेट डांस एंथम बना देते हैं। जटाधारा में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा के साथ दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, झांसी, राजीव कनकला और सुभलेखा सुधाकर जैसे कई दिग्गज कलाकार हैं। फिल्म अच्छाई बनाम बुराई, प्रकाश बनाम अंधकार और मानव इच्छाशक्ति बनाम ब्रह्मांडीय भाग्य की रोमांचक लड़ाई को पेश करती है। ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत जटाधारा का निर्माण उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने किया है। फिल्म के सह-निर्माता अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा हैं, जबकि क्रिएटिव प्रोड्यूसर दिव्या विजय और सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर भावना गोस्वामी हैं। फिल्म का दमदार म्यूज़िक ज़ी म्यूज़िक कंपनी द्वारा तैयार किया गया है। फिल्म जटाधारा 7 नवंबर को हिंदी और तेलुगु में रिलीज़ होगी।

# नेहा कक्कड़ और टोनी कक्कड़ का नया गाना कोका कोला-2 रिलीज, फैंस उत्साहित

मशहूर गायिका नेहा कक्कड़ और उनके भाई टोनी कक्कड़ का बहुप्रतीक्षित गाना कोका कोला-2 रिलीज हो गया है। टोनी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के जरिए इस गाने की रिलीज की घोषणा की। प्रशंसकों के बीच इस गाने को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है, क्योंकि यह 2019 में आए हिट गाने कोका कोला का सीक्वल है। टोनी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर गाने का एक क्लिप शेयर किया। इस क्लिप के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, कोका कोला-2 अब रिलीज हो चुका है। इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया, और फैंस ने कमेंट्स में गाने की तारीफ शुरू कर दी। कोका कोला-2 में नेहा कक्कड़, टोनी कक्कड़ और जूनियर ने अपनी आवाज दी है। गाने के बोल टोनी कक्कड़ ने लिखे हैं। इसके अलावा, गाने का म्यूजिक भी टोनी ने ही कंपोज किया है, और उन्होंने इसे प्रोड्यूस भी किया है। गाने का म्यूजिक वीडियो भी दर्शकों को खूब लुभा रहा है। इसमें नेहा कक्कड़, टोनी कक्कड़ और जूनियर की शानदार परफॉर्मेंस देखने को मिल रही है। नेहा के एनर्जेटिक डांस मूव्स और उनकी आवाज गाने को और आकर्षक बनाती हैं। वीडियो में रंग-बिरंगे सेट्स, मॉडर्न बीट्स और ट्रेंडी वाइब्स का मिश्रण है, जो दर्शकों को खास तौर पर पसंद आ रहा है। कोका कोला-2 गाना रिलीज के कुछ ही समय में यूट्यूब पर काफी व्यूज बटोर चुका है। नेहा और टोनी की जोड़ी पहले भी कई हिट गाने दे चुकी है, और यह गाना भी उसी कड़ी का हिस्सा बन गया है। सोशल मीडिया पर फैंस इसे पार्टी एंथम बता रहे हैं। वहीं, नेहा के पति रोहनप्रीत ने कमेंट में फायर का इमोजी शेयर किया। एक यूजर ने लिखा, भाई-बहन की जोड़ी ने फिर से धमाका कर दिया। बता दें, इससे पहले टोनी ने रैपर यंग देसी के साथ मिलकर कोका-कोला रिलीज किया था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। गाना इतना ट्रेंड किया था कि इसे 2019 में फिल्म लुक्का-छुप्पी में नए वर्जन में रिलीज किया गया था।

# अरविंद अकेला कल्लू की 'मेहमान का नया गाना नजरिया के बान जल्द होगा रिलीज




भोजपुरी सिनेमा के चर्चित अभिनेता और गायक अरविंद अकेला कल्लू की आगामी फिल्म मेहमान का नया गाना नजरिया के बान जल्द ही रिलीज होने वाला है। मेकर्स ने शुक्रवार को गाने के पोस्टर शेयर कर रिलीज की जानकारी दी। अरविंद ने गाने का पोस्टर इंस्टाग्राम पर रिलीज किया, जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, फिल्म मेहमान का नया गाना नजरिया के बान कल सुबह 6 बजकर 3 मिनट पर रिलीज होगा। फिल्म में अरविंद अकेला कल्लू मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। उनके साथ दर्शना बनिक और पूजा ठाकुर लीड रोल में नजर आ रही हैं। फिल्म का निर्देशन लाल बाबू पंडित ने किया है। इसमें अरविंद, दर्शना और पूजा के अलावा संजय पांडे, समर्थ चतुर्वेदी, विनोद मिश्रा, श्रद्धा नवल, रामसुजान सिंह, बीना पांडे, संजीव मिश्रा, सोनू पांडे, स्वास्तिका, अनु पांडे और रिंकू आयुषी जैसे मंझे हुए कलाकार अहम किरदारों में दिखेंगे। मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर पहले ही एसआरके म्यूजिक के यूट्यूब चैनल पर रिलीज कर दिया है। मेहमान का टाइटल इस फिल्म में दामाद को दर्शाता है, और कहानी इसी किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है। कहानी एक ऐसे युवक की है, जिसकी शादी बार-बार रुक जाती है। आखिरकार उसकी शादी तो हो जाती है, लेकिन विदाई छह महीने बाद तय होती है। इस दौरान ससुराल वालों को एक चौंकाने वाली सच्चाई का पता चलता है, जिससे कहानी में नया मोड़ आता है। 'मेहमान के निर्माता रोशन सिंह और सह-निर्माता शर्मिला आर. सिंह हैं। ट्रेलर में कहानी की झलक और कलाकारों की शानदार अदाकारी देख दर्शक बेसब्री से फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म भोजपुरी सिनेमा के प्रशंसकों के लिए एक मनोरंजक और भावनात्मक अनुभव लेकर आएगी। करियर की बात करें, तो उनके कई प्रोजेक्ट रिलीज होने के लिए लाइन पर लगे हुए हैं। उनकी अपकमिंग रोमांटिक एक्शन ड्रामा फिल्म जलवा का ट्रेलर भी जुलाई 2025 में रिलीज किया गया था।

# इंटरनेशनल म्यूज़िक फेस्टिवल अनटोल्ड दुबई 2025 में ग्लोबल स्टार नोरा फतेही मुख्य होंगी आकर्षण



ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर इतिहास रचने के लिए तैयार हैं क्योंकि वह दुनिया के सबसे बड़े और बहुप्रतीक्षित म्यूज़िक फेस्टिवल्स में से एक हृअहरुष्ठ दुबई 2025 के स्टार-स्टडेड लाइनअप में शामिल होंगी। यह फेस्टिवल 6 से 9 नवम्बर तक एक्सपो सिटी दुबई में आयोजित होगा, जहां नोरा, जे बाल्विन, मार्टिन गैरिक्स और एलन वॉकर सहित विश्व के कुछ सबसे बड़े संगीत हस्तियों के साथ मंच साझा करेंगी। यह फेस्टिवल, जो अपनी भव्य प्रस्तुति, विविध कलाकारों की मौजूदगी और अद्भुत अनुभव के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है, इस वर्ष अपने शानदार अंदाज़ में वापसी कर रहा है, और नोरा का मुख्य परफॉर्मेंस इस फेस्टिवल की सबसे बड़ी आकर्षणों में से एक होने वाली है। दर्शक उम्मीद कर सकते हैं एक हाई-एनर्जी प्रस्तुति की, जिसमें नोरा की सिग्नेचर डांस एनर्जी, पॉप स्टाइल और इंटरनेशनल साउंड का अनोखा संगम देखने को मिलेगा — जो एक ग्लोबल परफ़ॉर्मर के रूप में नोरा के विकास को दर्शाता है। ओह मामा! टेटेमा और स्नेक जैसे चार्ट-टॉपिंग हिट्स से लेकर जेसन डेरुलो और रेवनी के साथ ग्लोबल कोलैबोरेशन तक, और अब जल्द ही रिलीज होने वाली सॉन्ग शेनसीया के साथ उनके बहुप्रतीक्षित आगामी अंतर्राष्ट्रीय पॉप सिंगल जस्ट अ गर्ल तक, नोरा फतेही संगीत और प्रदर्शन के माध्यम से संस्कृतियों को जोड़ती रही हैं। उनका हालिया हिट गाना दिलबर की आँखों का (फिल्म थाम्मा से) सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वायरल हो चुका है, जो उनके बढ़ते वैश्विक प्रभाव और सफलता में एक और उपलब्धि जोड़ता है, क्योंकि वह हर रिलीज़ के साथ ग्लोबल चार्ट और चर्चाओं पर हावी रहती हैं।

अनटोल्ड दुबई 2025 में अपने आगामी प्रदर्शन के साथ, नोरा एक बार फिर यह साबित करने जा रही है कि वह आज की पीढ़ी की सबसे ऊर्जावान और प्रभावशाली ग्लोबल एंटरटेनर में से एक के रूप में एक हैं। जे बाल्विन, मार्टिन गैरिक्स, यंगब्लड और एलन वॉकर जैसे वैश्विक संगीत दिग्गजों की एक धमाकेदार लाइनअप के साथ, अनटोल्ड दुबई 2025 संगीत और संस्कृति का एक अविस्मरणीय उत्सव बनने के लिए तैयार है, और नोरा फतेही का प्रदर्शन निस्संदेह फेस्टिवल के सबसे प्रतीक्षित क्षणों में से एक है।

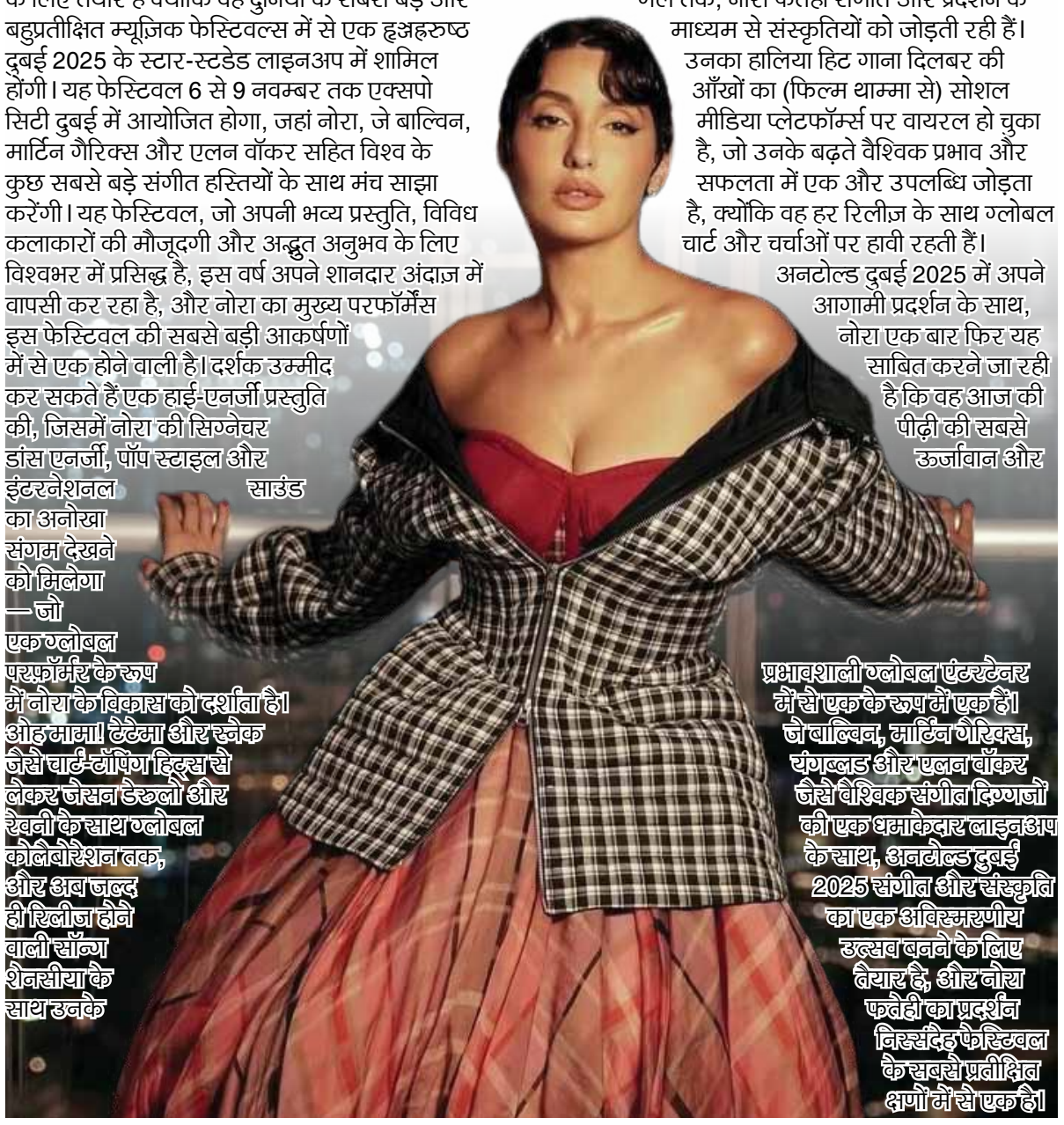

# आकांक्षा पुरी का नया गाना जन्नतां नसीब रिलीज, शेयर कर दी जानकारी

अभिनेत्री आकांक्षा पुरी इन दिनों अपनी फिल्मों और गानों को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। गुरुवार को उनका नया गाना जन्नतां नसीब रिलीज हो गया है। आकांक्षा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर गाने का एक क्लिप शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, इंतजार खत्म हुआ! जन्नतां नसीब अब आ गया है! आवाज बढ़ाओ और बीट्स का मजा लो। उनके इस पोस्ट को फैंस ने खूब पसंद किया और कमेंट्स में तारीफों भरी प्रतिक्रियाएं दीं। जन्नतां नसीब को मशहूर सिंगर रुपाली जग्गा ने अपनी मधुर आवाज में गाया है। गाने के बोल मशहूर गीतकार नूर ने लिखे हैं और म्यूजिक अनमोल डेनियल ने दिया है, जबकि म्यूजिक प्रोडक्शन का जिम्मा अनमोल डेनियल और मैग ने संभाला है। इस जोड़ी ने गाने को एक ताजगी भरा अंदाज दिया है, जो सुनने वालों को झूमने पर मजबूर कर देता है। गाने में आकांक्षा पुरी के शानदार डांस मूव्स और ग्लैमरस लुक ने गाने को और भी आकर्षक बना दिया है। वीडियो में उनके डांस स्टेप्स फैंस को दीवाना बना रहे हैं। अभिनेत्री आकांक्षा पुरी ने 2015 में मधुर भंडारकर की फिल्म कैलेंडर गर्ल्स से बॉलीवुड में कदम रखा और 2017 में विघ्नहर्ता गणेश टीवी शो में देवी पार्वती का किरदार निभाया। उन्होंने बिग बॉस ओटीटी 2 में भी भाग लिया है। अभिनेत्री की अपकमिंग फिल्म की बात करें तो वह जल्द ही खेसारी लाल यादव के साथ भोजपुरी फिल्म अग्निपरीक्षा में नजर आएंगी। फिल्म में अभिनेत्री और खेसारी लाल यादव के अलावा नीलम गिरी भी मुख्य भूमिका में हैं और सुशील सिंह, प्रकाश जैश, और विनोद मिश्रा जैसे प्रतिभाशाली कलाकार सहायक भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का पोस्टर और लाल घघरी गाना पहले ही रिलीज हो चुके हैं। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट के बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। अग्निपरीक्षा भोजपुरी सिनेमा के लिए एक बड़ी पेशकश मानी जा रही है, जिसमें ड्रामा, रोमांस, और मनोरंजन का जबरदस्त मिश्रण देखने को मिलेगा।

# 27 Maoists surrender in Chhattisgarh's Sukma

AGENCIES

**Raipur:** As many as 27 active Maoists surrendered before security forces in Chhattisgarh's Sukma district on Wednesday, marking a major step forward in the state's efforts to curb left-wing extremism. Among those who laid down arms were two hard-core cadres from the People's Liberation

Guerrilla Army (PLGA) Battalion-01, a dreaded wing of the outlawed CPI (Maoist).

Both individuals had been on the radar of security agencies for years and carried substantial rewards on their heads, reflecting their seniority and involvement in violent activities across the Bastar region. According to official sources, the total reward value associated with the surrendered group amounts to Rs 50 lakh.

The breakdown includes one Maoist with a bounty of Rs 10 lakh, three others with Rs 8 lakh each, one with Rs 9 lakh, two with Rs 2 lakh each, and nine Maoists carrying Rs 1 lakh rewards apiece.

# Cherished friend of India: PM Modi condoles death of Kenya's ex-PM Raila Odinga

AGENCIES

**New Delhi:** Prime Minister Narendra Modi on Wednesday expressed grief over the demise of former Kenyan Prime Minister Raila Odinga, who passed away earlier in the day at the age of 80, in Koothattukulam, Kerala, after suffering a heart attack during his morning walk. Referred to Odinga as a "cherished friend of India", PM Modi recalled their meeting during his tenure as Chief Minister of Gujarat. Odinga, who was in the state for Ayurvedic treatment, collapsed suddenly and was rushed to Sreedhareeyam Ayurvedic Eye Hospital and Research Centre, but could not be revived. His body has been kept at Deva Matha Hospital, Koothattukulam. In a post on X, PM Modi said, "Deeply saddened by the passing of my dear friend and former Prime Minister of Kenya, Mr Raila Odinga. He was a

towering statesman and a cherished friend of India. I had the privilege of knowing him closely since my days as Chief Minister of Gujarat, and our association continued over the years." "He had a special affection for India, our culture, values and ancient wisdom. This was reflected in his efforts to strengthen India-Kenya ties. He particularly admired Ayurveda and the traditional medicine systems of India, having witnessed their positive impact on his daughter's health. I extend my deepest condolences to his family, friends and to the people of Kenya in this hour of grief," he added.

# Masood Azhar in hiding: JeM cadres look to defect despite AI propaganda push

AGENCIES

**New Delhi:** Masood Azhar, the chief of the Jaish-e-Mohammad, has virtually gone into hiding post Operation Sindoor. It is a well-known fact that his outfit was literally shredded to pieces by the Indian armed forces. A commander of the JeM had also admitted that Azhar's family was torn to pieces during the operation that was carried out to avenge the Pahalgam attack. According to the Indian agencies, Azhar is in hiding and has been advised not to come out in the open. The Indian

armed forces are monitoring him closely, and the Pakistan Army wants to take no chances; hence, they have kept him under their watch. The stoic silence by Azhar has made the JeM cadres uneasy. Some are losing hope as they are not seeing any leadership. In the past, when Azhar would go into hiding or would undertake some medical treatment, his brother Rauf Azghar would call the shots. Azghar was in charge of everything in the JeM, and he was the perfect lieutenant for his brother Azhar. Azghar was, however, killed at Bahawalpur during Operation Sindoor. This was a major blow for the JeM as they had lost their operations chief. Azhar, on the other hand, has been more of an ideological head, and now, in the absence of both, the cadres are losing faith in the outfit.

# Jubilee Hills by-election: BRS candidate Sunitha files nomination

AGENCIES

**Hyderabad:** Maganti Sunitha of Bharat Rashtra Samithi (BRS) on Wednesday filed nomination for the November 11 by-election to Jubilee Hills Assembly constituency in Hyderabad. Accompanied by BRS working president K. T. Rama Rao and other senior leaders of the party submitted nomination papers to Returning Officer P. Sairam at the Shaikpet MRO office. Sunitha is the wife of Maganti Gopinath, whose death led to the by-election. Gopinath, who scored a hat-trick of victories from Jubilee Hills in 2023, died of cardiac arrest on June 8. In the 2023 polls, Gopinath had defeated former Indian cricket captain and Congress candidate Mohammed Azharuddin by 16,337 votes. This time, the Congress

has named Naveen Yadav as its candidate while the BJP has once again fielded Lankala Deepak Reddy, who had finished third in the previous election. Wednesday is the third day of filing the nominations. A total of 21 candidates filed their nominations in the first two days.

# Those disrupting festivals will find bars of jail waiting: UP CM Yogi warns

AGENCIES

**Lucknow** : Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath on Wednesday warned that anyone attempting to disrupt festival celebrations would be promptly sent to jail, and announced that the state government is providing free LPG cylinders to 1 crore 86 lakh Ujjwala Yojana beneficiaries as a Diwali gift, reiterating his government's focus on welfare, women's safety. Addressing the gathering, CM Yogi said, "If anyone tries to disrupt the joy

and enthusiasm of this festival, the bars of the jail will be waiting for them; no matter who they are, they will be put behind bars without delay. Festivals and celebrations should be observed in a peaceful and harmonious manner.

# NMC Approves Bihar's Fourth Medical College in Champaran

Sagar Suraj

**MOTIHARI**: The National Medical Commission (NMC), Government of India, has granted approval to the Virat Ramayan Institute of Medical Sciences College and Hospital in Motihari, East Champaran. The college started MBBS courses from the 2025–26 academic session. This marks Bihar's fourth medical college in the Champaran region.The approval has created a wave of celebration across North Bihar, especially in the Tirhut division. The achievement is being credited to educationist Alok Sharma, who played a key role in

developing the institute with state-of-the-art medical facilities in a short span of time. The newly approved medical college will offer quality education and advanced healthcare services. Equipped with modern infrastructure and technology, the institution has a panel of renowned specialist professors and experienced doctors to ensure high standards in both academics and patient care. Students qualifying in NEET 2025 will be eligible to apply for admission to 50 MBBS seats sanctioned by the NMC.Expressing his gratitude, Alok Sharma, Chairman of the institute, said, "With the blessings of my parents, I have been devoted to providing quality higher education for the last two decades through SNS Vidyapeeth Institute. The NMC recognition is a matter of great pride, and I will continue working to uphold this responsibility with full dedication."The establishment of this medical college is expected to strengthen the medical education ecosystem in North Bihar and expand access to healthcare facilities in the region.

# President Murmu pays floral tributes to APJ Abdul Kalam on his birth anniversary

AGENCIES

**New Delhi:** President Droupadi Murmu on Wednesday paid floral tributes to Dr. APJ Abdul Kalam, former President of India, on his birth anniversary at Rashtrapati Bhavan in New Delhi. Avul Pakir Jainulabdeen Abdul Kalam (1931-2015), widely known as the "Missile Man of India" was an eminent scientist and the 11th President of India (2002-2007). Born on 15 October 1931 in Rameswaram, Tamil Nadu, into a humble family, Kalam rose through sheer hard work and determination. Prime Minister Narendra Modi also paid tribute to Bharat Ratna APJ Abdul Kalam on his birth anniversary, saying that the former President and eminent scientist inspired the nation to dream big. In a post on X, PM Modi, reflecting on APJ Abdul Kalam's life, said he is remembered as a "visionary who ignited young minds". He expressed his commitment to build a "strong, self-reliant and compassionate nation as envisioned by Abdul Kalam." "Remembering Dr. APJ Abdul Kalam Ji on his birth anniversary. He is remembered as a visionary who ignited young minds and inspired our nation to dream big. His life reminds us that humility and hard work are vital for success. May we continue to build the India he envisioned...an India that is strong, self-reliant and compassionate," PM Modi said. Kalam made a significant contribution as Project Director to develop India's first indigenous Satellite Launch Vehicle (SLV-III), which successfully injected the Rohini satellite into near-earth orbit in July 1980 and made India an exclusive member of the Space Club. He was responsible for the evolution of ISRO's launch vehicle programme, particularly the PSLV configuration. He was responsible for the development and operationalisation of AGNI and PRITHVI Missiles and for building indigenous capability in critical technologies through the networking of multiple institutions. Beyond his scientific contributions, Kalam was deeply passionate about inspiring the youth of India. He authored several influential books, such as "Wings of Fire," "Ignited Minds," and "India 2020," all centred around dreaming big and building a stronger nation. APJ Abdul Kalam passed away on 27 July 2015.

# AIIMS Delhi to help transform Tripura Medical College and Hospital into medical hub: CM Saha

AGENCIES

**New Delhi/Agartala:** In a major step towards strengthening healthcare services and providing better medical facilities to the people of Tripura, the state government has signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Delhi on Wednesday, officials said. An official of the Chief Minister's Office (CMO) said that the MoU was signed between the AIIMS, Delhi and the Health and Family Welfare Department of the Tripura government in the presence of Chief Minister Manik Saha in New Delhi. CM Saha, who holds the Health and Family Welfare portfolio, said it is a matter of great pride that this MoU has been signed for the development of medical colleges, as well as state and district-level hospitals in Tripura, to transform them into Centres of Excellence in medical education and super-speciality healthcare services aligned with international standards. "The state government envisions transforming Agartala Government Medical College (AGMC) and GBP Hospital into a medical hub equipped with state-of-the-art facilities for patient care, modelled on the excellence of AIIMS, Delhi," the Chief

Minister said after the signing of the MoU. CM Saha, who himself is a dental surgeon, stated that AIIMS, Delhi, is a globally acclaimed institution known for its pioneering contributions to medical education, research, and advanced patient care. "The collaboration between AIIMS, Delhi, and the Health Department of Tripura marks a significant step towards enhancing the overall quality and reach of healthcare services across the state," he added. The Chief Minister said that the state government is committed to providing the best possible healthcare services to its citizens. On this occasion, AIIMS, New Delhi Director M. Srinivas, and senior officials from the Health Department of Tripura were present at Tripura Bhawan, New Delhi. Meanwhile, a four-member team of AIIMS, New Delhi, led by its Director Srinivas, visited government-run AGMC and Govind Ballabh Pant Hospital and other hospitals in June to study the health services and related aspects. The AIIMS, Delhi team visited Tripura at the request of Chief Minister Saha. The Tripura Chief Minister on Tuesday held a meeting with Union Health and Family Welfare Minister J.P. Nadda in New Delhi and discussed various health infrastructure and manpower related issues, including the setting up of a new medical college in the state, an official said. A senior official of the CMO said that the Chief Minister has informed Union Minister Nadda about the state government's plan to set up a new Medical College at Kulai in northern Tripura's Dhalai district, which is an aspirational District, on a Public-Private Partnership (PPP) basis. Saha also discussed the establishment of a Tertiary Ophthalmology Hospital at Agartala and the setting up of an Immunology Lab for Organ Transplant services at the government-run AGMC and GBP Hospital. The Chief Minister requested the Union Minister, who is also the National President of the BJP, to provide funds for procuring advanced medical instruments at the Super Speciality Block at the AGMC. CM Saha also urged for additional funds for Ayushman Bharat - Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana (AB PMJAY) to settle the pending claims. Tripura currently has three Medical colleges - Agartala Government Medical College (AGMC), Tripura Medical College (TMC) and Tripura Santiniketan Medical College (TSMC).

The TSMC is a private medical college, while the TMC is governed by a state government-constituted society.